पाठ्य पुस्तक

कस्तूरी

7

सॉविनिर पब्लिशर्स प्रा. लि.

TEACHER'S BOOK

कस्तूरी - 7

अध्याय - 1

जबानी बताओ

प्रश्न 1. झुनझुने से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : झुनझुने से तात्पर्य पेड़ों से उत्पन्न होने वाली आवाज़ से है।

प्रश्न 2. लाल गेंद की तरह कौन उदय होता है?

उत्तर : लाल गेंद की तरह सूरज उदय होता है।

प्रश्न 3. कौन-सी वस्तु आसमान में कहीं ऊपर गुम हो गई है?

उत्तर : तारे आसमान में कहीं गुम हो गए हैं।

प्रश्न 4. कवि आसमान से किसके गिरने की आशंका जताता है?

उत्तर : कवि चाँद के आसमान से गिरने की आशंका जताता है।

प्रश्न 5. फिरकी को किसने नचाया था?

उत्तर : फिरकी को बच्ची ने नचाया था।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. आसमान में लाल गेंद की तरह लुढ़कता हुआ कौन प्रकट होता है?

उत्तर : सूर्य आसमान में लाल गेंद की तरह लुढ़कता हुआ प्रकट होता है।

प्रश्न 2. पेड़ झुनझुनों की तरह कब बजने लगते हैं?

उत्तर : सुबह हवा चलने पर पेड़ झुनझुनों की तरह बजने लगते हैं।

प्रश्न 3. गैस के गुब्बारे किसने छोड़े थे?

उत्तर : गैस के गुब्बारे बच्ची ने छोड़े थे।

प्रश्न 4. आसमान में चाँद की क्या स्थिति है?

उत्तर : चाँद आसमान से गायब हो गया है।

प्रश्न 5. बच्ची ने थपकियाँ देकर किसे सुलाया था?

उत्तर : बच्ची ने अपनी गुड़िया को थपकी देकर सुलाया था।

प्रश्न 6. जरतारी टोपी से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : जरतारी टोपी से तात्पर्य जरी के तारों से जड़ी हुई टोपी है।

प्रश्न 7. किसकी चूनर उड़ने की बात कही गई है?

उत्तर : गुड़िया की चूनर उड़ने की बात कही गई है।

प्रश्न 8. छोटी तलैया की तरह कौन नीचे उलटी पड़ी है?

उत्तर : जरतारी टोपी छोटी तलैया की तरह उलटी पड़ी है।

प्रश्न 9. कवि ने झिलमिल नदी की उपमा किसको दी है?

उत्तर : कवि ने झिलमिल नदी की उपमा गुड़िया की चुनरी को दी है।

प्रश्न 10. इस कविता को अपनी पसंद का शीर्षक दीजिए।

उत्तर : माँ की नन्ही बिटिया।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. इस कविता को गद्य रूप में लिखिए।

उत्तर : माँ सुबह होने पर अपनी नन्ही बेटी को जगाती है। वह कहती है कि बेटी उठो सवेरा हो गया है। पेड़ों के झुनझुने बजने लगे हैं। आसमान में चाँद गायब हो गया है और सूरज लाल गेंद की तरह उदय हो रहा है। बच्ची ने जिन गुड्डे-गुड़ियों को सुलाया था वे आँखें मलते हुए दिखाई दे रहे हैं। गुड्डे की जरतारी टोपी शांत पड़ी किसी जलाशय की तरह चमक रही है। गुड़िया की चुनरी झिलमिल करती नदी-सी दिखाई दे रही है।

प्रश्न 2. इस कविता में प्रयुक्त किन्हीं तीन बिंबों का भाव अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

उत्तर : (1) पेड़ों के झुनझुने – हवा चलने पर पेड़ों की टहनियों तथा पत्तियों से उत्पन्न होने वाली धीमी तथा मधुर आवाज़।
(2) सूरज की लाल गेंद – सूर्य सुबह उगते हुए लाल गेंद की तरह दिखाई देता है।
(3) चूनर की झिलमिल नदी – गुड़िया की चमकीली तथा उड़ती हुई चुनरी झिलमिल नदी की तरह दिखाई दे रही है।

प्रश्न 3. इस कविता के आधार पर सुबह के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर : सुबह के समय अनोखा प्राकृतिक सौंदर्य देखने को मिलता है। मंद-मंद पवन के चलने पर पेड़ों से उत्पन्न होने वाली सरसराहट की ध्वनि झुनझुनों के बजने के समान लगती है। आसमान से तारे और चाँद गायब दिखाई देते हैं तथा सूरज किसी लाल गेंद की तरह उगता हुआ दिखाई देता है। हर चीज़ शांत तथा खूबसूरत दिखाई देती है। अत: सुबह के समय प्रकृति अपना अनूठा सौंदर्य प्रस्तुत करती है।

प्रश्न 4. कविता के निम्नलिखित अंश का भावार्थ सप्रसंग लिखिए :

तूने थपकियाँ देकर
जिन गुड्डे-गुड़ियों को सुला दिया था,
टीले, मुँहरंगे आँख मलते हुए बैठे हैं,
गुड्डे की जरतारी टोपी
उलटी नीचे पड़ी है : छोटी तलैया,
वह देखो उड़ी जा रही है चूनर
तेरी गुड़िया की : झिलमिल नदी।
उठ मेरी बेटी, सुबह हो गई।

प्रसंग – प्रात:काल के अनुपम सौंदर्य के आधार पर रचित इस कविता के रचयिता 'सर्वेश्वर दयाल सक्सेना' हैं। कवि इस कविता में माता तथा उसकी नन्ही बच्ची के माध्यम से सुबह की अनुपम सुदंरता का वर्णन करता है।

भावार्थ – माँ अपनी नन्ही बच्ची को जगाते हुए कहती है कि तुमने रात को सोते समय अपने जिन गुड्डे-गुड़ियों को थपकियाँ देकर सुलाया था। वे सभी आँखें मलते हुए नींद से जागने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। तुम्हारे गुड्डे की जरतारी टोपी जो उल्टी पड़ी है किसी छोटे ताल-सी दिखाई देती है और तुम्हारी गुड़िया की उड़ती हुई चुनरी किसी झिलमिल करती हुई नदी के समान प्रतीत हो रही है। अत: समस्त प्रकृति जाग गई है, मेरी नन्ही बिटिया तू भी जाग जा और सुबह के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लें।

भाषा मंच

1. **वचन बदलिए :**

बेटी – बेटियाँ	गुब्बारा – गुब्बारे	गेंद – गेंदें
फिरकी – फिरकियाँ	गुड़िया – गुड़ियाँ	टोपी – टोपियाँ
नदी – नदियाँ	आँख – आँखें	तलैया – तलैयाँ

2. निम्नलिखित के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :

सूरज सूर्य, रवि, भानु

चाँद चंद्र, शशि, चंद्रमा

बेटी आत्माजा, सुता, पुत्री

नदी सरिता, तटिनी, धारा

3. निम्नलिखित शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलिए :

लाल – लालिमा	खेलना – खेल	अपना – अपनापन
नाचना – नाच	सुंदर – सुंदरता	गिरना – गिरावट
धीमी – धीमापन	भावुक – भावुकता	देखना – दृष्टि

4. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए तथा पुनरुक्त शब्दों को चुनकर रिक्त स्थानों में लिखिए :

(क)	वह सुबह-सुबह आता है।	सुबह-सुबह
(ख)	साधु वन-वन भटका।	वन-वन
(ग)	बच्ची रोज़ नए-नए कपड़े पहनती है।	नए-नए
(घ)	पके-पके फल खा लो।	पके-पके
(ङ)	वह हँसी-हँसी में टाल गया।	हँसी-हँसी
(च)	खिलौने उठा-उठाकर मत फेंको।	उठ-उठाकर

5. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए :

सोकर	=	सो + कर	गिनती	=	गिन + ती
सोया	=	सो + या	ओढ़नी	=	ओढ़ + नी
पुजारी	=	पूजा + री			

6. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए :

चमक – चमकीला	मानव – मानवीय	घर – घरेलू
मिठास – मीठा	झगड़ा – झगड़ालू	भूल – भूलक्कड़
तीन – तीसरा	मन – मानसिक	वर्ष – वार्षिक

7. निम्नलिखित पद्यांश में प्रयुक्त अलंकार बताइए :

अब तो इस तालाब का पानी बदल दो,
ये कमल के फूल कुम्हलाने लगे हैं।

उत्तर : अनुप्रास अलंकार।

रचनात्मक - उड़ान

1. निम्नलिखित बिंबों के प्रयोग से एक-एक वाक्य बनाइए :

(क)	सूरज की लाल गेंद	:	सूरज की लाल गेंद पूर्व से धीरे-धीरे प्रकट हो रही थी।
(ख)	पेड़ों के झुनझुने	:	सुबह होते ही पेड़ों के झुनझुने बजने लगे।
(ग)	छोटी तलैया	:	जरतारी टोपी छोटी तलैया सी दिख रही थी।
(घ)	झिलमिल नदी	:	गुड़िया की चुनरी झिलमिल नदी की तरह प्रतीत हो रही थी।

2. इस कविता में निहित प्राकृतिक सौंदर्य पर कोई चार पंक्तियाँ लिखिए :

उत्तर : (1) सुबह होते ही हरे-भरे पेड़ झुनझुनों की तरह बजने लगते हैं।

(2) मंद-मंद शीतल पवन चलती है।

(3) चाँद और सितारे आसमान से लुप्त हो जाते हैं।

(4) बाल सूर्य लाल गेंद की तरह प्रकट होता है।

परख के मंच पर

1. **इस कविता के आधार पर कवि के प्रकृति-प्रेम को स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर : इस कविता को पढ़कर पूर्णत: स्पष्ट हो जाता है कि कवि का प्रकृति के प्रति विशेष लगाव है। कवि का मन प्रकृति में रचा-बसा है। इसी कारण कवि ने प्राकृतिक उपमाओं और बिंबों के माध्यम से सुबह के प्राकृतिक सौंदर्य का सजीवता से वर्णन किया है।

2. **इस कविता में प्रयुक्त बिंबों की उपयुक्तता को सिद्ध कीजिए।**

उत्तर : कवि ने इस कविता में सुबह के प्राकृतिक सौंदर्य को प्रकट करने के लिए विशेष बिंबों का प्रयोग किया है। उदाहरणत: पेड़ों के झुनझुने बजने लगे, छोटी तलैया, चूनर की झिलमिल नदी, कविता की रोचकता में चार चाँद लगाते हैं। इनके विशेष अर्थ कवि के कवित्व की गंभीरता को प्रकट करते हैं।

3. **इस कविता के समान किसी अन्य कविता का चयन कीजिए तथा उसे अपनी अभ्यास की कापी में लिखिए।**

उत्तर : स्वयं कीजिए।

अपना विकास अपने हाथ।

1. **सर्वेश्वर दयाल सक्सेना हिंदी के श्रेष्ठ कवियों में से एक हैं। उन्होंने अपनी कविताओं में बिंबों अथवा प्रतीकों का भरसक प्रयोग किया है। 'अपनी बेटी के लिए' नामक शीर्षक से उन्होंने दो कविताएँ लिखी हैं। उनके द्वारा रचित अन्य कविता को प्राप्त कर पढ़िए तथा उसका भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।**
   स्वयं कीजिए

2. **काव्य-शास्त्र में अलंकारों एवं उपमाओं का विशेष स्थान होता है। काव्य-शास्त्रों में वर्णित विविध अलंकारों एवं उपमाओं के बारे में पढ़िए तथा विविध कविताओं में उनके प्रयोग देखिए।**
   स्वयं कीजिए

3. **इस कविता की भाषा-शैली का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**
   इस कविता की भाषा-शैली बिंबों और उपमाओं से संपन्न एक अनूठी भाषा-शैली है। कवि ने साधारण शब्दों तथा सामान्य बिंबों और उपमाओं के प्रयोग से कविता की भाषा को अत्यंत रोचक तथा सौंदर्यपूर्ण बना दिया है। प्राकृतिक चीज़ों या बिंबों के रूप में प्रयोग अपने आप में अनूठा प्रयोग है जो मानव मन में प्रकृति के प्रति प्रगाढ़ प्रेम उत्पन्न करता है। अत: कविता की भाषा अत्यंत सरल, रोचक तथा सुंदर है।

4. **निम्नलिखित शब्द संयोगों के आधार पर दो-दो उदाहरण दीजिए :**

ब् + ब = ब्ब	गुब्बार	गब्बर	धब्बा	झब्बा
ड् + ड = ड्ड	गुड्डा	अड्डा	लड्डू	हड्डी
च् + च = च्च	बच्चा	कच्चा	सच्चा	पच्चीस

5. **इस पाठ में प्रयुक्त शब्दों की वर्तनी के पुराने तथा नए रूप देखिए :**

पुराना रूप	**नया रूप**	**पुराना रूप**	**नया रूप**
बिम्ब	**बिंब**	**गुड्डा**	**गुड्डा**
अत्यन्त	**अत्यंत**	**चन्द्रमा**	**चंद्रमा**

स्वयं कीजिए।

चित्रात्मक बोध

इस चित्र का भावार्थ अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए :

इस चित्र में एक बच्ची अपनी गुड़िया को सजा रही है। बच्चों का स्वभाव ही गुड्डे-गुड़ियों के साथ खेलने का होता है। इस चित्र में बच्ची अपनी गुड़िया को सजाने के माध्यम से अपने मन के विविध भावों को प्रकट कर रही है।

अध्याय – 2

जबानी बताओ

प्रश्न 1. अन्याय का साथ क्यों नहीं देना चाहिए?

उत्तर : अन्याय का साथ देना अनैतिक और अमानवीय है।

प्रश्न 2. अन्याय क्यों नहीं सहना चाहिए?

उत्तर : अन्याय को सहन करना मानव की कमजोरी का द्योतक है।

प्रश्न 3. क्या अन्याय का विरोध करना बुरी बात है?

उत्तर : अन्याय का विरोध करना अच्छी बात है।

प्रश्न 4. जूलिया का मालिक क्या चाहता था?

उत्तर : जूलिया का मालिक उसे अन्याय का विरोध करने के लिए तैयार करना चाहता था।

प्रश्न 5. क्या जूलिया को अन्याय का विरोध करना चाहिए था?

उत्तर : हाँ, जूलिया को अन्याय का विरोध करना चाहिए था।

प्रश्न 6. जूलिया का स्वभाव कैसा था?

उत्तर : जूलिया का स्वभाव दब्बू था।

प्रश्न 7. क्या आपने कभी किसी की बात का विरोध किया है?

उत्तर : हाँ, गलत बात का विरोध किया है।

प्रश्न 8. जूलिया को लोग उसकी किस कमजोरी के कारण ठग लेते थे?

उत्तर : जूलिया को उसके दब्बूपन के कारण लोग आसानी से ठग लेते थे।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. जूलिया किसकी गवर्नेस थी?

उत्तर : जूलिया कोल्या तथा तान्या की गवर्नेस थी।

प्रश्न 2. जूलिया की तनख़्वाह कितनी थी?

उत्तर : जूलिया की तनख़्वाह चालीस रुबल प्रति मास थी।

प्रश्न 3. जूलिया ने कितने दिन काम किया था?

उत्तर : जूलिया ने दो मास काम किया था।

प्रश्न 4. उसने क्या-क्या नुकसान किए थे?

उत्तर : उसने चाय की प्लेट और प्याली तोड़ दी थी।

प्रश्न 5. लेखक (जूलिया के मालिक) ने उसे कितने रुबल दिए?

उत्तर : लेखक अर्थात् जूलिया के मालिक ने उसे अस्सी रुबल दिए।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. लेखक जूलिया को क्या हिसाब बता रहा था?

उत्तर : लेखक जूलिया को उसकी तनख़्वाह का हिसाब बता रहा था। वह जूलिया द्वारा किए गए नुकसानों का उल्लेख कर उसकी तनख़्वाह में से कुछ रुबल काटकर उसे शेष रुबल देने की बात कह रहा था।

प्रश्न 2. जूलिया ने लेखक का विरोध क्यों नहीं किया?

उत्तर : जूलिया के स्वभाव में दब्बूपन था। वह कभी किसी की बात का विरोध नहीं करती थी। उसके इसी स्वभाव के कारण लोग

उसे सरलता से ठग लेते थे। यहाँ भी जूलिया ने अपने इसी स्वभाव के कारण लेखक का विरोध नहीं किया। परंतु लेखक जूलिया को ठग नहीं रहा था, बल्कि उसे अन्याय का विरोध करने की सीख दे रहा था।

प्रश्न 3. लेखक ने जूलिया को परेशान क्यों किया?

उत्तर : लेखक जूलिया के स्वभाव की कमजोरी के विषय में जानता था। वह नहीं चाहता था कि जूलिया का स्वभाव इसी प्रकार दब्बू किस्म का बना रहे तथा वह लोगों के द्वारा ठगी जाती रहे। यही सोचकर उसने जूलिया को सीख देने के लिए उसे परेशान किया था।

भाषा मंच

1. **वचन बदलिए :**

महीना – महीने	छुट्टी – छुट्टियाँ	चेहरा – चेहरे
बोली – बोलियाँ	खरोंच – खरोंचें	आँख – आँखें

2. **लिंग बदलिए :**

भाई – बहन	नौकर – नौकरानी
बच्चा – बच्ची	मालिक – मालकिन
माँ – बाप	चूहा – चूहिया

3. **निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए :**

न्याय – अन्याय	कमज़ोर – ताकतवर
धीमा – तीव्र	भला – बुरा
चुप – वाचाल	ताकत – कमज़ोरी
अपना – पराया	निर्दयी – दयावान

4. **प्रत्येक के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :**

इंसान – मानव, मनुष्य, व्यक्ति
मालिक – स्वामी, पति, राजा
बेटा – पुत्र, आत्मज, सुत
औरत – महिला, स्त्री, अबला
दिन – वार, दिवस, वासर

रचनात्मक उड़ान

स्वयं कीजिए

अपना विकास अपने हाथ

1. **इस कहानी में प्रयुक्त निम्नलिखित विदेशी शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए :**

तनख़्वाह – उसकी मासिक तनख़्वाह बीस हज़ार है।
रुबल – जूलिया को अस्सी रुबल दिए गए।
प्याली – जूलिया द्वारा प्याली तोड़े जाने पर मालिक ने उसे बहुत डाँटा।
नुक़सान – बाढ़ के कारण गाँव वालों का गंभीर नुकसान हुआ।
डायरी – उसने सारा खर्च डायरी में लिख लिया था।

2. **इस कहानी के रचयिता अंतोन चेखोव की किसी अन्य कहानी को पढ़िए तथा उसको सार रूप में लिखिए।**

स्वयं कीजिए।

अध्याय – 3

जबानी बताओ

प्रश्न 1. क्या आपने किसी को "अप्रैल-फूल" बनाया है?

उत्तर : बच्चे स्वयं दें।

प्रश्न 2. उन सभी के नाम लिखिए जिनको आपने आज तक मूर्ख बनाया है।

उत्तर : बच्चे स्वयं दें।

प्रश्न 3. क्या आप स्वयं कभी मूर्ख बने हैं?

उत्तर : बच्चे स्वयं दें।

प्रश्न 4. आपको मज़ाक करना कैसा लगता है?

उत्तर : बच्चे स्वयं दें।

प्रश्न 5. यदि कोई आपकी खिल्ली उड़ाए, तो आपको कैसा लगेगा?

उत्तर : बुरा लगेगा।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

प्रश्न 1. मूर्ख-दिवस सबसे पहले कहाँ मनाया गया?

उत्तर : मूर्ख दिवस को सबसे पहले फ्रांस में मनाया गया था।

प्रश्न 2. फ्रांस में 'सभा' में सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकतें करने वाले को कौन-सी उपाधि दी जाती थी?

उत्तर : सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकतें करने वाले को 'मास्टर ऑफ फूल' की उपाधि दी जाती थी।

प्रश्न 3. सभा की समाप्ति पर कौन-सा सम्मेलन होता था?

उत्तर : सभा की समाप्ति पर गधा सम्मेलन होता था।

प्रश्न 4. लंदन में किस दिनांक को पहला अप्रैल-फूल मनाया गया?

उत्तर : लंदन में पहली अप्रैल को पहला अप्रैल-फूल मनाया गया था।

प्रश्न 5. किस रंग के गधों के स्नान की बात कार्ड में लिखी थी?

उत्तर : सफ़ेद रंग के गधों के स्नान की बात कार्ड में लिखी गई थी।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :

प्रश्न 1. अप्रैल फूल सर्वप्रथम कहाँ एवं कैसे मनाया गया?

उत्तर : अप्रैल फूल सर्वप्रथम फ्रांस में मनाया गया था। फिर धीरे-धीरे इसे प्रतिवर्ष मनाया जाने लगा था। राजा और पादरी मिलकर जन सभा का आयोजन करते थे। इसमें दरबारी भी शमिल होते थे। इस सभा में शामिल सभी व्यक्ति विचित्र हरकतें करके सबका मनोरंजन करते थे। सबसे अधिक मूर्खतापूर्ण हरकत करने वाले को 'मास्टर ऑफ फूल' की उपाधि दी जाती थी।

प्रश्न 2. यूनान में इसकी शुरुआत कैसे हुई?

उत्तर : यूनान में एक व्यक्ति अपने आपको बड़ा विद्वान समझता था तथा शेष सभी को महामूर्ख। इसी कारण उसके मित्र अथवा परिचित उससे बहुत अधिक दु:खी रहते थे। एक दिन उसके मित्रों ने उसे नसीहत देनी चाही। उन्होंने उससे कहा कि आज रात पहाड़ी पर देवता अवतरित होकर मनचाहा वरदान देंगे। उसने उनकी बात मानकर सारी रात देवता की प्रतीक्षा की। सुबह उसे पता चला कि उसके मित्रों ने उसे मूर्ख बनाया था। उस दिन एक अप्रैल थी। उसी दिन से यूनान में एक अप्रैल को मूर्ख दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

प्रश्न 3. लंदन में 1 अप्रैल, 1860 की घटना को विस्तारपूर्वक लिखिए।

उत्तर : लंदन में 1 अप्रैल, 1860 को लोगों को अपने-अपने घरों में एक बड़ा सफ़ेद लिफाफा डाक द्वारा मिला। उसके अंदर एक कार्ड था जिस पर लिखा था - कि वे टॉवर ऑफ लंदन पर सफ़ेद गधों का स्नान देखने के लिए आमंत्रित किए जाते हैं। शाम होते-होते वहाँ पर हज़ारों की संख्या में लोग एकत्र हो गए। बाद में लोगों को पता चला कि उस दिन एक अप्रैल था तथा लोगों को मूर्ख बनाया गया था।

प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए :

मूर्ख : किसी को मूर्ख बनाना अच्छा नहीं।

विद्वान : विद्वान लोग सब जगह सम्मानित किए जाते हैं।

मनोरंजन : फिल्में हमारा अच्छा मनोरंजन करती हैं।

मज़ाक : उसने मज़ाक-मज़ाक में झगड़ा कर लिया।

व्यंग्य : व्यंग्य लिखना अपने आप में बड़ी लेखन कला है।

भाषा मंच

1. क्रिया के मुख्यतः दो भेद होते हैं :

(क) अकर्मक : जिस क्रिया का फल कर्म पर नहीं, कर्ता पर पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे : मोर नाचता है।

(ख) सकर्मक : जिस क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है तथा जिसके प्रयोग में कर्म की अनिवार्यता बनी रहती है, वह सकर्मक क्रिया कहलाती है। जैसे : राम ने बेर खाए।

अब अकर्मक तथा सकर्मक क्रियाओं के प्रयोग के तीन-तीन उदाहरण दीजिए :

अकर्मक :
1. बच्ची सोती है।
2. कुत्ता भौकता है।
3. रानी हँसी।

सकर्मक :
1. मनु पुस्तक पढ़ता है।
2. राधा खाना खाती है।
3. किसान हल चलाता है।

2. निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखिए :

सम्मान	– अपमान	देवता	– दानव	अधिक	– कम
चतुर	– मूर्ख	जाना	– आना	प्रेम	– घृणा

3. निम्नलिखित के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए :

पोशाक – वस्त्र, परिधान, वेशभूषा

आदमी – मानव, व्यक्ति, मनुज

रात – रात्रि, निशा, रजनी

फूल – पुष्प, कुसुम, सुमन

रचनात्मक उड़ान

स्वयं कीजिए।

परख के पंच पर

1. **हमें दूसरों का मज़ाक उड़ाने में आनंद आता है? क्या यह उचित है?**
   स्वयं कीजिए।
2. **क्या सचमुच ऐसे दिनों को मनाना चाहिए? यदि हाँ तो क्यों?**
   स्वयं कीजिए।

अपना विकास अपने हाथ

1. **'मूर्ख-दिवस' की तरह हमारे देश में मनाए जाने वाले किसी पर्व या अवसर के बारे में जानकारी एकत्र कीजिए तथा उसका वर्णन अपनी कॉपी में कीजिए।**
   स्वयं कीजिए।
2. **निम्नलिखित शब्द संयोगों से बने शब्दों के दो-दो उदाहरण दीजिए :**

प् + त	=	प्त	समाप्त	प्राप्त	सुप्त
न् + ह	=	न्ह	उन्होंने	नन्हा	सिन्हा
क् + त	=	क्त	व्यक्ति	वक्त	शक्ति
न् + य	=	न्य	मान्यवर	न्याय	न्यारा

3. **इस पाठ में प्रयुक्त शब्दों की वर्तनी के पुराने तथा नए रूप देखिए :**

पुराना रूप	**नया रूप**	**पुराना रूप**	**नया रूप**
सम्बन्ध	संबंध	बुद्धिमान	बुद्धिमान
फ्रान्स	फ्रांस	परम्परा	परंपरा

अध्याय - 4

जबानी बताओ

प्रश्न 1. अनुशासित जीवन कैसा होता है?

उत्तर : अनुशासित जीवन सफल एवं सुखी होता है।

प्रश्न 2. जीवन में अनुशासन का अभ्यास क्यों आवश्यक है?

उत्तर : जीवन को सामाजिक नियमों के अनुसार जीने के लिए अनुशासन का अभ्यास आवश्यक है।

प्रश्न 3. जीवन को निर्मल एवं पवित्र कौन बनाता है?

उत्तर : मनुष्य की सद्‌वृत्तियाँ ही जीवन को निर्मल और पवित्र बनाती हैं।

प्रश्न 4. उदात्त गुणों से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : उदात्त गुणों से तात्पर्य मन, वचन और कर्म की पवित्रता है।

प्रश्न 5. प्रभु ईसा मसीह किस बात में भिन्न हैं?

उत्तर : प्रभु ईसा मसीह अपनी नई परंपराएँ बनाने के कारण ही अन्यों से भिन्न हैं।

प्रश्न 6. अपने को सुधारने वाले मनुष्य को क्या करना चाहिए?

उत्तर : अपने को सुधारने वाले मनुष्य को अपना मार्ग खुद तय करना चाहिए।

प्रश्न 7. श्रीमद्‌भगवद्‌गीता किस धर्म का पवित्र ग्रंथ है?

उत्तर : श्रीमद्‌भगवद्‌गीता हिंदू धर्म का पवित्र ग्रंथ है।

प्रश्न 8. हमें हर कार्य सोच-विचार कर क्यों करना चाहिए?

उत्तर : हमें अपने कार्य में सफलता पाने के लिए उसे सोच-समझकर करना चाहिए।

प्रश्न 9. हमें अपनी मानसिक दुर्बलताओं पर विजय प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए?

उत्तर : हमें अपनी मानसिक दुर्बलताओं पर विजय प्राप्त करने के लिए मन को स्थिर कर कर्म के मार्ग पर बढ़ना चाहिए।

प्रश्न10. हमारा सामाजिक जीवन कैसा होना चाहिए?

उत्तर : हमारा सामाजिक जीवन अनुशासित तथा आदर्श होना चाहिए।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. अनुशासन से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : अपनी समस्त वृत्तियों को जागरुक बुद्‌धि के अधीन रखने के प्रयास का नाम ही अनुशासन है।

प्रश्न 2. वचन की गति से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : बृद्‌धि द्‌वारा मन को संचालित कर वचनों या वाणी को अनुशासित करना ही वचन की गति है।

प्रश्न 3. सच्चा अनुशासन किसका दूसरा नाम है?

उत्तर : कुवृत्तियों के बहिष्कार तथा सद्‌वृत्तियों को अपनाने का प्रयास ही सच्चे अनुशासन का दूसरा नाम है।

प्रश्न 4. नीतिशास्त्र हमें क्या सिखाता है?

उत्तर : नीतिशास्त्र हमें नैतिक नियमों का पालन करना सिखाता है।

प्रश्न 5. लीला-नायक श्रीकृष्ण किससे भिन्न थे?

उत्तर : लीला-नायक श्रीकृष्ण मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम से भिन्न थे।

प्रश्न 6. हमें कुमार्ग की ओर कौन अग्रसर करता है?

उत्तर : इंद्रिय दुर्बलता ही हमें कुमार्ग की ओर अग्रसर करती है।

प्रश्न 7. मनुष्य को पश्चाताप का दंश कब लगता है?

उत्तर : हमें तीव्र आदर्श प्रेम का एहसास होने पर अपनी गलतियों के लिए पश्चाताप का दंश लगता है।

प्रश्न 8. उच्छृंखलता समाज के लिए घातक कैसे है?

उत्तर : उच्छृंखलता समाज को पतन की ओर ले जाती है, इसी कारण यह समाज के लिए घातक है।

प्रश्न 9. मनुष्य में हीनभावनाएँ कब तथा कैसे पनपती हैं?

उत्तर : अनुशासनहीन जीवन जीते हुए ही गलत संगति के कारण मनुष्य में हीन भावनाएँ पनपने लगती हैं।

प्रश्न10. अनुशासित वृत्तियों के क्या लाभ हैं?

उत्तर : अनुशासित वृत्तियाँ मनुष्य को सफलता की ओर अग्रसर करती हैं तथा समाज को उदार रूप प्रदान करती हैं।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. मानवीय जीवन में अनुशासन का क्या महत्त्व है?

उत्तर : मानवीय जीवन में अनुशासन का निम्नलिखित महत्त्व है :

(1) अनुशासन जीवन को सुखी तथा संपन्न बनाता है।

(2) अनुशासन मनुष्य को बुरी संगति से बचाकर रखता है।

(3) अनुशासन मानवीय समाज को आदर्श रूप प्रदान करता है तथा सामाजिक ढाँचे को सुदृढ़ता प्रदान करता है।

प्रश्न 2. "सबसे अधिक आवश्यकता आज के दिन अध्यापक के अनुशासित रहने की है।" बताइए लेखक ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर : अध्यापक अथवा गुरु ही वह व्यक्ति होता है जो देश के भावी नागरिकों को आदर्श ज्ञान और शिक्षा प्रदान करके उन्हें सही ढंग से जीने और देश का उत्तम संचालन करने के योग्य बनाता है। यदि अध्यापक ही अनुशासित नहीं रहेगा तो फिर विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन का ज्ञान कैसे दे पाएगा। ऐसी स्थिति में देश के लिए योग्य युवा कहाँ से मिल पाएँगे। अत: विद्यार्थियों को अनुशासन की शिक्षा देने के लिए अध्यापक का अनुशासित होना अनिवार्य है।

प्रश्न 3. गीता हमें जीवन के किस मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करती है? निबंध के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर : गीता हमें अनुशासन के मार्ग पर चलने की शिक्षा देती है। गीता में स्पष्ट कहा गया है कि हमारी इंद्रियों की जरा-सी कमजोरी भी हमें कुमार्ग की ओर अग्रसर कर देती है। अत: अनुशासित जीवन को बनाए रखने के लिए हमें दृढ़ प्रयास करते रहना चाहिए।

प्रश्न 4. इस निबंध से प्राप्त संदेश को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : इस निबंध से यह संदेश मिलता है कि हमें अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण रखते हुए मन को सही दिशा में संचालित करना चाहिए तथा जीवन के हर पक्ष में अनुशासन का पालन करना चाहिए।

प्रश्न 5. निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

उदात्त गुण : मनुष्य के उदात्त गुण ही उसे श्रेष्ठ बनाते हैं।

संयम : हमें संयम से जीना सीखना चाहिए।

परिपक्वता : परिपक्वता जीवन को सुदृढ़ आधार प्रदान करती है।

कर्णधार : बच्चे देश के भावी कर्णधार हैं।

आत्मीयता : हमें रिश्तों में आत्मीयता का भाव रखना चाहिए।

विषमता : विषमता का भाव समाज के लिए घातक है।

उन्नायक : अनुशासित जन ही देश के उन्नायक बनकर आगे आ सकते हैं।

भाषा मंच

1. **निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए:**

परमावश्यक	परम	+	आवश्यक
अनेकानेक	अनेक	+	अनेक
उच्छृंखलता	उच्छ	+	खृंलता
उन्नायक	उत्	+	नायक
निर्विकार	निर्	+	विकार
उज्जवल	उज्ज	+	वल

2. **वचन बदलिए :**

वृत्ति – वृत्तियाँ	गति – गतियाँ	वाणी – वाणियाँ
नीति – नीतियाँ	परिभाषा – परिभाषाएँ	इंद्री – इंद्रियाँ
दुर्बलता – दुर्बलताएँ	असावधानी – असावधानियाँ	अच्छाई – अच्छाइयाँ
क्रांति – क्रांतियाँ	आलोचना – आलोचनाएँ	शिक्षा – शिक्षाएँ

3. **निम्नलिखित विशेषणों से वाक्य बनाइए :**

अनुकरणीय : रमा का व्यवहार अनुकरणीय है।

आत्मीय : आत्मीय ज्ञान होना भी अनिवार्य है।

नैतिक : नैतिक नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

भिन्न : सब में भिन्न गुण पाए जाते हैं।

संयमित : संयमित जीवन ही सुखी जीवन होता है।

सांस्कृतिक : हमें अपनी सांस्कृतिक धरोहर ही सुरक्षा करनी चाहिए।

4. **निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए :**

प्रगति – अधोगति	सद्वृत्ति – कुवृत्ति	पुण्य – पाप
निर्मल – मलिन	सत्य – असत्य	प्रेम – घृणा
दुर्बलता – सबलता	घातक – लाभकारी	संतुलन – असंतुलन

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से प्रेरणार्थक क्रियाएँ चुनकर लिखिए :**

(क) हम बच्चों से अभ्यास करवाते हैं।
करवाते हैं।

(ख) पिता ने पुत्री के हाथों पानी भिजवाया।
भिजवाया

(ग) महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों से मर्यादाओं का पालन करवाया।
करवाया।

(घ) हम हलवाई से लड्डू बनवाते हैं।
बनवाते हैं।

6. **निम्नलिखित उपसर्गों से कोई तीन-तीन शब्द बनाइए :**

उत् (उछ)	**उच्चारण**	उत्तम	उन्नति	उत्थान
उप	**उपकरण**	उपकार	उपनाम	उपवन
निर	**निरपराध**	निरावर	नीरोग	निराशा

रचनात्मक उड़ान

1. **जीवन में अनुशासनहीनता से होने वाली हानियों के बारे में सोचिए तथा लिखिए :**

   अनुशासनहीनता से जीवन की गंभीर हानि होती है। इसके कारण मनुष्य कुवृत्तियों का शिकार बन जाता है तथा कर्म तथा परिश्रम से मुँह मोड़कर अनुचित ढंग से जीवन को सुखी बनाने का प्रयत्न करता है जिससे जीवन प्रगति करने के बजाय अधोगति का शिकार बनता जाता है।

2. **इस पाठ से प्राप्त मूल संदेश को पाँच पंक्तियों में लिखिए :**

   इस पाठ का मूल संदेश है :

   (1) जीवन में अनुशासन अनिवार्य है।

   (2) अनुशासन ही वह साधन है जो इंद्रियों के नियंत्रण में सहयोग देता है।

   (3) अनुशासन मनुष्य को सद्‌कर्मों की ओर अग्रसर करता है।

   (4) अनुशासित मनुष्य की समाज व राष्ट्र का हित कर सकता है।

   (5) अनुशासन सब सुखों का स्रोत है।

परख के मंच पर

1. **आप अपने जीवन में अनुशासन को क्या तथा कैसे महत्त्व देते हैं? लिखिए:**

उत्तर : स्वयं कीजिए।

2. **"अनुशासित रहकर जीवन को सुखी तथा संपन्न बनाया जा सकता है।" इस वाक्य का भावार्थ अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए :**

उत्तर : अनुशासित मनुष्य ही मन पर नियंत्रण कर कुवृत्तियों से बचकर रह सकता है तथा सद्‌कर्म करते हुए अपने उद्‌देश्यों को हासिल कर सकता है। अन्य शब्दों में मनुष्य अनुशासित रहकर ही शुभ कर्म करके जीवन को सुखी तथा संपन्न बना सकता है।

अपना विकास अपने हाथ

1. **इस पाठ में उल्लेखित किन्हीं ऐसे पाँच गुणों को चुनिए, जिन्हें आप अपने जीवन में ढालना चाहते हैं। यह भी बताइए कि आप इन गुणों को जीवन में क्यों ढालना चाहते हैं?**

   स्वयं कीजिए

2. **इस पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्द संयोगों के कोई दो-दो उदाहरण दीजिए :**

त् + त = त्त	**वृत्ति**	प्रवृत्ति	पत्ता
भ् + य = भ्य	**अभ्यास**	अभ्यारण्य	सभ्य
ण् + य = ण्य	**पुण्य**	कर्मण्य	अभ्यारण्य
श् + य = श्य	**आवश्यकता**	अवश्य	श्याम

अध्याय – 5

जबानी बताओ

प्रश्न 1. दोपहरी के समय सूर्य की स्थिति कैसी थी?

उत्तर : सूर्य अग्निशलाकाओं की तरह जल रहा था।

प्रश्न 2. चातक ने अपने बेटे से क्या कहा?

उत्तर : चातक ने अपने बेटे से कहा कि समय सदैव एक समान नहीं रहता है।

प्रश्न 3. चातक घनश्याम यानी बादलों की प्रतीक्षा क्यों कर रहा था?

उत्तर : चातक अपनी प्यास बुझाने के लिए बादलों की प्रतीक्षा कर रहा था।

प्रश्न 4. चातक-पुत्र क्यों व्याकुल था?

उत्तर : चातक-पुत्र अपनी प्यास के कारण व्याकुल था।

प्रश्न 5. धरती पर पानी बरसने पर चातक खुश क्यों होता है?

उत्तर : धरती पर पानी बरसने पर चातक इसलिए खुश होता है, क्योंकि वह केवल बारिश का पानी पीकर ही अपनी प्यास बुझाता है।

प्रश्न 6. चातक-पुत्र कहाँ से जल ग्रहण करना चाहता था?

उत्तर : चातक पुत्र गंगा नदी से जल ग्रहण करना चाहता था।

प्रश्न 7. बुद्धन कौन था?

उत्तर : बुद्धन गोकुल के पिता थे।

प्रश्न 8. बुद्धन किसके लिए व्याकुल था?

उत्तर : बुद्धन अपने बेटे गोकुल के लिए व्याकुल था।

प्रश्न 9. महते ने गोकुल को कितने रुपए देने चाहे?

उत्तर : महते ने गोकुल को दो रुपए देने चाहे।

प्रश्न 10. बुद्धन ने उधार माँगने के बारे में अपने बेटे से क्या कहा?

उत्तर : बुद्धन ने उधार माँगने के बारे में कहा कि उधार माँगना भी एक तरह की भीख माँगना है।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. चातक कहाँ रहता था?

उत्तर : चातक एक वृक्ष की कोटर में रहता था।

प्रश्न 2. चातक-पुत्र व्रत क्यों तोड़ना चाहता था?

उत्तर : चातक-पुत्र अपनी प्यास के कारण व्रत को तोड़ता चाहता था।

प्रश्न 3. चातक-पुत्र प्यास से व्याकुल होकर कहाँ जाना चाहता था?

उत्तर : चातक-पुत्र अपनी प्यास से व्याकुल होकर गंगा नदी पर पानी पीने जाना चाहता था।

प्रश्न 4. चातक देवताओं के अभिशाप से क्यों डरता था?

उत्तर : चातक देवताओं के अभिशाप से डरता था, क्योंकि उसे कुछ अनिष्ट होने की आशंका थी।

प्रश्न 5. आदमी ने कृषि की रक्षा के लिए कौन-से उपाय किए?

उत्तर : आदमी ने कृषि की रक्षा के लिए नहरें और कुएँ खोदे हैं।

प्रश्न 6. बुद्धन को किस रोग ने अपंग बना दिया था?

उत्तर : बुद्धन को पक्षाघात रोग ने अपंग बना दिया था।

प्रश्न 7. बुद्धन का एकमात्र सहारा कौन था?

उत्तर : गोकुल बुद्धन का बेटा उसका एकमात्र सहारा था।

प्रश्न 8. गोकुल पिता के सामने क्यों रोया?

उत्तर : गोकुल अपने पिता के सामने रोया, क्योंकि उस दिन गोकुल को अपनी मजदूरी के पैसे नहीं मिले थे।

प्रश्न 9. गोकुल को रास्ते में क्या मिला?

उत्तर : गोकुल को रास्ते में रुपयों से भरा बटुआ मिला।

प्रश्न10. महते के बटुए में कितने रुपए थे?

उत्तर : महते के बटुए में बयालीस रुपए थे।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. इस कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : स्वयं कीजिए।

प्रश्न 2. इस कहानी से क्या शिक्षा और प्रेरणा मिलती है?

उत्तर : इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि मनुष्य को चातक की तरह अपने व्रत को निभाना चाहिए, अर्थात् जिस प्रकार चातक केवल बारिश का पानी पीकर ही अपनी प्यास बुझाता है उसी प्रकार मनुष्य को भी ईमानदार और परिश्रमी बने रहकर अपने जीवन को अपने ही बल पर जीना चाहिए।

प्रश्न 3. गोकुल का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर : गोकुल अपंग बुद्धन का बेटा था जो मेहनत-मजदूरी करके अपना तथा अपने पिता का पेट पालता था। गोकुल जितना गरीब था उतना ही ईमानदार भी था। उसकी ईमानदारी का परिचय इस बात से मिल जाता है कि महते का रुपयों से भरा बटुआ गोकुल को मिल जाने पर भी वह महते को ढूँढ कर उसका बटुआ उसे लौटा देता है। इसके अतिरिक्त उसके घर खाने के लिए अन्न का दाना तक न होने पर भी वह महते से दो रुपए इनाम के रूप में लेने से मना कर देता है। अत: हम कह सकते हैं कि गोकुल एक मेहनती तथा ईमानदार युवक था।

प्रश्न 4. चातक-पुत्र को सही शिक्षा कब तथा कैसे मिली?

उत्तर : चातक-पुत्र गंगा नदी में पानी पीने के लिए आकाश में उड़ते हुए जा रहा था। रास्ते में वह कुछ देर आराम करने के लिए बुद्धन के घर के आँगन में खड़े नीम के पेड़ पर रुक गया। वहाँ उसने बुद्धन तथा उसके बेटे गोकुल की गरीबी तथा ईमानदारी से भरी बातें सुनीं। बुद्धन ने अपने बेटे के सामने चातक की ईमानदारी तथा पवित्रता की बात कही। उसने अपने बेटे को चातक के समान बनने के लिए कहा। यह सुनकर चातक-पुत्र का मन बदल गया और वह गंगा नदी में पानी पीने जाने के बजाय वापस अपनी कोटर की ओर लौट गया।

प्रश्न 5. इस कहानी के शीर्षक 'कोटर और कुटीर' की उपयुक्तता को उदाहरण देते हुए सिद्ध कीजिए।

उत्तर : चातक पुत्र अपनी कोटर में प्यास के मारे व्याकुल था। उसके पिता उसे केवल बारिश का जल ग्रहण करके ही प्यास बुझाने के लिए मना रहे थे। किंतु वह नहीं माना और उड़कर गंगा नदी में जल पीने के लए चल पड़ा। रास्ते में वह बुद्धन के आँगन में खड़े नीम के पेड़ पर आराम करने के लिए रुक गयां वहाँ उस कुटीर में उसे बुद्धन व उसके बेटे गोकुल की बातों से चातक के व्रत की महता का ज्ञान हुआ तथा वह वापस अपनी कोटर की ओर लौट गया। अत: इस कहानी का शीर्षक कोटर और कुटीर पूर्णत: तर्कसंगत है।

भाषा-मंच

1. **निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए :**

घनश्याम	घन + श्याम	निर्जल	निर् + जल
प्रतीक्षा	प्र + तीक्षा	आनंदातिरेक	आनंद + अतिरेक

2. **वचन बदलिए :**

बेटा	– बेटे	मेघ	– मेघों	लड़का	– लड़के
अंजुली	– अंजुलियाँ	रोटी	– रोटियाँ	गाड़ी	– गाड़ियाँ

3. **निम्नलिखित के विपरीतार्थक लिखिए :**

नीरस	– रस	असत्य	– सत्य	गरमी	– सरदी
जल	– थल	आदमी	– राक्षस	नासमझ	– समझदार
आसान	– मुश्किल	सघन	– विरल	माधुर्य	– कड़वाहट

4. **निम्नलिखित समस्तपदों के विग्रह कर समास के नाम बताइए :**

चौमासा :	चार मासों का समूह	द्विगु समास
घनश्याम :	घन की तरह श्याम	कर्मधारय समास
आजन्म :	जन्म से लेकर	अव्ययीभाव समास
राहखर्च :	राह के लिए खर्च	संप्रधान तत्पुरुष
भरपेट :	पेट भरकर के	अव्ययीभाव समास

5. **इस पाठ में प्रयुक्त तत्सम शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए :**

अग्नि	–	**आग**	अग्नि जलाओ।
गोत्र	–	**वंश**	राधा का गोत्र पूछकर बताओ।
घन	–	**बादल**	घन आएँगे तो ज़रूर बरसेंगे।
संध्या	–	**शाम**	संध्या होते ही दीपक जला देना।

6. **निम्नलिखित अंगों के आधार पर मुहावरे तथा उनके अर्थ लिखिए :**

कंठ	कंठ का हार होना – बहुत अधिक प्रिय होना।
कंधा	कंधे से कंधा मिलना – सहयोग करना।
कमर	कमर कसना – तैयार हो जाना।
कलई	कलई खुलना – भेद खुलना।
आँख	आँखें चार होना – प्यार होना।

7. **निम्नलिखित से विशेषण बनाइए :**

प्रात:काल	– प्रात: कालीन	बल – बलवान	भय – भयानक
आत्म	– आत्मीय	ऊपर – ऊपरी	कृपा – कृपालु
चिंता	– चिंतित	चमक – चमकीला	देव – दैविक
नीचे	– निचला	पुत्र – पुत्रवान	प्यास – प्यासा

8. **निम्नलिखित गद्यांश में उपयुक्त स्थान पर विराम चिह्न लगाकर पुन: लिखिए :**

गोकुल ने बटुआ खोलकर रुपए गिने सब ठीक निकले। बटुआ लेकर महते की आँखों में आँसू भर आए बोले इतनी बड़ी रकम पाकर भी जिसे लोभ न हो भैया मैंने ऐसा आदमी आज तक नहीं देखा।

गोकुल ने बटुआ खोलकर रुपए गिने सब ठीक निकले। बटुआ लेकर महतो की आँखों में आँसू भर आए, बोले – "इतनी बड़ी रकम पाकर भी जिसे लोभ न हो, भैया मैंने ऐसा आदमी आज तक नहीं देखा।"

9. **इस पाठ में प्रयुक्त कोई आठ भाववाचक संज्ञाएँ छाँटिए तथा उनसे एक-एक वाक्य बनाइए।**

प्रभुता – उसकी प्रभुता का ठिकाना नहीं है।

सर्वस्व – उसने देश की खातिर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

अच्छाई – अच्छाई का रास्ता अपनाओ।

गरीबी – वह गरीबी से तंग आ गया था, इसीलिए विदेश जाने को तैयार हो गया।

प्यास – उसने पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई।

परख के मंच पर

1. **गोकुल ने गरीब और भूखा होते हुए भी बटुए के लोभ में फँसने के बजाय उसे उसके मालिक को लौटा दिया तथा मुफ़्त में रुपए लेने से इंकार भी कर दिया। क्या उसने ठीक किया? यदि हाँ तो बताइए क्यों?**

गोकुल ने मुफ्त के पैसे लेने से मना करके सही किया, क्योंकि ईमानदार तथा परिश्रमी व्यक्ति अपने कमाए गए धन के बल पर ही जीवन यापन करना पसंद करता है।

2. **हमें गोकुल के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है? बताइए :**

हमें गोकुल के जीवन से मेहनत तथा ईमानदारी से जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है।

3. **चातक पक्षी अपनी आत्म-मर्यादा अर्थात् अपने व्रत को कठिन से कठिन मुसीबतें सहकर भी बनाए रखते हैं। कहानी के आधार पर बताइए, कैसे?**

इस कहानी में चातक पुत्र प्यास लगने पर अपना व्रत तोड़ने पर तैयार हो जाता है, किंतु पिता उसे देवताओं का वास्ता देकर व्रत को तोड़ने से मना करता है। फिर भी चातक पुत्र अपना व्रत तोड़ने के लिए जिद करके गंगा की ओर चल देता है। परंतु गोकुल तथा बुद्धन की बातें सुनकर उसे शिक्षा मिल जाती है तथा वह वापस अपनी कोटर में लौट आता है। अत: चातक पक्षी इस संसार को सही- सही सीख देने के लिए अनेक मुसीबतें सहकर भी अपने व्रत को बनाए रखते हैं।

अध्याय - 6

जबानी बताओ

प्रश्न 1. सूरदास जी कृष्ण की किस अवस्था का वर्णन कर रहे हैं?

उत्तर : सूरदास जी कृष्ण की बाल अवस्था का वर्णन कर रहे हैं।

प्रश्न 2. कृष्ण किसे दोष दे रहे हैं?

उत्तर : कृष्ण ग्वाल-बालों को दोष दे रहे हैं।

प्रश्न 3. सचमुच मटकी किसने फोड़ी है?

उत्तर : मटकी को सच में कृष्ण ने ही फोड़ा था।

प्रश्न 4. कृष्ण झूठ क्यों बोल रहे हैं?

उत्तर : कृष्ण अपनी माता की डाँट से बचने के लिए झूठ बोल रहे हैं।

प्रश्न 5. रसखान जी के श्याम की लंगोटी (कछोटी) किस रंग की है?

उत्तर : रसखान जी के श्याम की लंगोटी पीले रंग की है।

प्रश्न 6. मीरा को क्या अनमोल वस्तु मिल गई है?

उत्तर : मीरा को भक्ति रूपी अनमोल वस्तु मिल गई है।

प्रश्न 7. मीरा की नाव का खेवटिया कौन है?

उत्तर : मीरा की नाव का खेवटिया सतगुरु है।

प्रश्न 8. रसखान के श्याम कहाँ खेल रहे हैं?

उत्तर : रसखान के श्याम आँगन में खेल रहे हैं।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. मीरा को कौन-सा धन मिल गया है?

उत्तर : मीरा को राम-रतन रूपी धन मिल गया है।

प्रश्न 2. मीरा के प्रभु का नाम क्या है?

उत्तर : मीरा के प्रभु का नाम गिरधर नागर है।

प्रश्न 3. कृष्ण चार पहर तक कहाँ भटकते हैं?

उत्तर : कृष्ण चार पहर तक मधुबन में भटकते हैं।

प्रश्न 4. कृष्ण कौन से वन में जाते हैं?

उत्तर : कृष्ण मधुबन में जाते हैं।

प्रश्न 5. कौआ कृष्ण के हाथ से क्या छीन लेता है?

उत्तर : कौआ कृष्ण के हाथ से रोटी छीन लेता है।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. प्रथम पद को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) इस पद के रचयिता कौन हैं?

उत्तर : सूरदास।

(ii) कृष्ण की दिनचर्या बताइए।

उत्तर : मधुबन में गाय चराने सुबह जाना और शाम को घर लौटना।

(iii) कृष्ण किस प्रकार की सफ़ाई देते हैं?

उत्तर : कृष्ण ग्वाल बालों पर सारा दोष रखते हैं।

प्रश्न 2. दूसरे पद को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) सप्रसंग भावार्थ लिखिए।

उत्तर : भावार्थ – मीराबाई कहती हैं कि उन्होंने राम रतन रूपी धन को पा लिया है। यह अनमोल वस्तु उन्हें उनके सतगुरु की कृपा से मिली है। उन्होंने जन्म-जन्मांतर के लिए ऐसी पूँजी प्राप्त कर ली है जिसे न तो चोर लूट सकते हैं तथा न ही उसे खर्च करने पर वह कम होती है। अर्थात् भक्ति रूपी धन अथवा पूँजी कभी समाप्त नहीं होती है।

(ii) मीरा किस प्रकार भवसागर पार करती हैं?

उत्तर : मीरा अपने सतगुरु की सहायता से भवसागर पार करती हैं।

(iii) मीरा के गिरधर नागर कौन हैं?

उत्तर : श्रीकृष्ण।

प्रश्न 3. तीसरे पद को पढ़कर उसकी सप्रसंग भावार्थ लिखिए।

उत्तर : प्रसंग : इस पद्यांश के रचयिता भक्ति कवि रसखान हैं। इसमें कवि भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला का वर्णन करते हैं।

भावार्थ : बालक कृष्ण का शरीर धूल से भरा हुआ है तथा सिर पर सुंदर चोटी लटक रही है। बालक आँगन में खेलता फिर रहा है। उसके नन्हे पैरों में बँधी पैंजनी मधुर ध्वनि उत्पन्न कर रही हैं। वह पीली लंगोटी पहने हुए है। उसकी छवि अनोखी दिख रही है। उसके हाथ में मक्खन रोटी है जिसे कागा एकाएक छीनकर उड़ जाता है। कवि हरि के हाथ से इस तरह कागे को रोटी छीनते देखकर कागे के भाग्य पर खुश होते हैं।

प्रश्न 4. रसखान ने किस प्रकार कृष्ण के बचपन का वर्णन किया है? भाव विवेचन कीजिए।

उत्तर : प्रश्न 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 5. सूरदास जी अंधे थे, फिर किस प्रकार वे कृष्ण के बचपन का ऐसा सूक्ष्म वर्णन कर पाए? विवेचना कीजिए।

उत्तर : सूरदास जी महान कवि और कृष्ण भक्त थे। कवि ने अपनी भक्ति, अनुभवों तथा कल्पना के बल पर ही कृष्ण के बचपन का इतना अधिक सुंदर वर्णन किया है।

भाषा मंच

1. दिए गए पदों में से कुछ शब्द यहाँ दिए गए हैं, इनके हिंदी के प्रचलित रूप लिखिए :

माखन	–	मक्खन	बंसीबट	–	बंसीवन
गैया	–	गाय	लिपटायो	–	लिपटना
खरचै	–	खर्च	हरज	–	हानि
अँगना	–	आँगन	वारत	–	वारा

2. निम्नलिखित पंक्तियों में अलंकार बताइए :

1. **मैया मोरी मैं नहि माखन खायो।** स्वयं कीजिए।
2. **पायो जी म्हैं तो राम रतन धन पायो।** स्वयं कीजिए।
3. **वारत काम कला निधि कोटी।** स्वयं कीजिए।
4. **काग के भाग कहा कहिए।** स्वयं कीजिए।
5. **खरचै न खुटै, कोई चोर न लूटै।** स्वयं कीजिए।
6. **जानि परायो जायो।** स्वयं कीजिए।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए :

लकुटि कमरिया – लुटिया और कंबली

पैंजनि	– पायल	**कोटी**	– करोड़
काग	– कौवा	**खोवायो**	– खोया

रचनात्मक-उड़ान

स्वयं कीजिए।

परख के मंच पर

1. **आपने रामचरित्मानस पढ़ी या सुनी होगी। यह किसने लिखी है?**

   स्वयं कीजिए।

2. **रामायण और रामचरित्मानस में क्या कोई अंतर है? कालिदास क्यों प्रसिद्ध हैं?**

   स्वयं कीजिए।

अपना विकास अपने हाथ।

मीरा के निम्न पद का भावार्थ लिखिए :

बरसे बदरिया सावन की,
सावन की मनभावन की,
सावन में उमग्यो मेरो मनवा, भनक सुनी हरि आवन की।।
उमड़-घुमड़ चहुँदिश से आया, दामिन दमकै झर लावन की।।
नन्ही-नन्ही बूँदन मेहा बरसे, शीतल पवन सोहावन की।।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, आनंद-मंगल गावन की।।

भावार्थ : मीराबाई कहती हैं कि सावन के बादल बरस रहे हैं। बरसता हुआ सावन सबका मन मोह रहा है। सावन की सुहावनी ऋतु में मन में उंमगें भर गई हैं और हरि अर्थात् अपने इष्टदेव की आने का संकेत मिलने लगा है। कवयित्री आगे कहती हैं कि आकाश में बादल उमड़ने-घुमड़ने लगे हैं तथा झड़ लगाने वाली बिजली दमकने लगी है। नन्ही-नन्ही बूँदें और सुहावनी शीतल पवन ने मन को इतना अधिक खुश कर दिया है कि मीरा अपने श्याम की भक्ति में डूबकर मंगल गीत गाने लगी है।

अध्याय - 7

जबानी बताओ

प्रश्न 1. क्या आप ओबामा जैसा महान बनना चाहेंगे?

उत्तर : स्वयं दें।

प्रश्न 2. अमेरिका जैसे देश का राष्ट्राध्यक्ष होना गर्व की बात है। कैसे?

उत्तर : क्योंकि अमेरिका विश्व का एक विकसित तथा शक्तिशली राष्ट्र है।

प्रश्न 3. ओबामा का व्यक्तित्व कैसा है?

उत्तर : ओबामा का व्यक्तित्व महान है।

प्रश्न 4. क्या आप दृढ़ स्वभाव के हैं? कैसे?

उत्तर : स्वयं दें।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. ओबामा की आयु क्या है?

उत्तर : ओबामा की आयु 47 वर्ष है।

प्रश्न 2. उनके प्रतिद्ंवद्वी कौन थे?

उत्तर : उनके प्रतिद्ंवद्वी जॉन मैक्केन थे।

प्रश्न 3. ओबामा किस पार्टी के उम्मीदवार थे?

उत्तर : ओबामा डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार थे।

प्रश्न 4. मतदान के दिन कितने लोगों ने मतदान किया था?

उत्तर : मतदान के दिन 13 से 14 करोड़ लोगों ने मतदान किया था।

प्रश्न 5. जॉन मैक्केन कितनी बार चुनाव लड़ चुके हैं?

उत्तर : जॉन मैक्केन दो बार चुनाव लड़ चुके हैं।

प्रश्न 6. ओबामा ने राष्ट्रपति पद की शपथ कब ली?

उत्तर : ओबामा ने राष्ट्रपति पद की शपथ 20 जनवरी, 2009 को ली थी।

प्रश्न 7. ओबामा किस पार्टी के सीनेटर थे?

उत्तर : ओबामा डेमोक्रेटिक पाट्री के सीनेटर थे।

प्रश्न 8. ओबामा के व्यक्तित्व की कोई दो विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : (1) ओबामा दृढ़ व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति हैं।
(2) उनकी सोच आधुनिक तथा परिवर्तनकारी है।

प्रश्न 9. 1995 में संयुक्त राज्य के राष्ट्रपति कौन थे?

उत्तर : 1995 में संयुक्त राज्य के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन थे।

प्रश्न 10. आप कैसे कह सकते हैं कि ओबामा रूढ़िवादिता से मुक्त हैं?

उत्तर : स्वयं दें।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. बराक ओबामा का जीवन परिचय दीजिए।

उत्तर : बराक ओबामा का पूरा नाम बराक हुसैन ओबामा है। वे एक अश्वेत कीनियाई पिता तथा कंसाई माता के पुत्र हैं। वे अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाने से पहले चार साल से इलिनॉयस सीनेट में कार्यरत थे। वे अत्यंत मेहनती तथा योग्य व्यक्ति हैं। उनकी योग्यता के कारण ही उन्हें अमेरिका के 44 वें राष्ट्रपति बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

प्रश्न 2. इस पाठ में उनके द्वारा कही गई बातों को छाँटकर लिखिए।

उत्तर : स्वयं दीजिए।

प्रश्न 3. पाठ की व्याख्या अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर : स्वयं दीजिए।

प्रश्न 4. ओबामा के चरित्र की कुछ खास विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : ओबामा के चरित्र की निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएँ हैं :

(1) ओबामा साधारण वर्ग के असाधारण व्यक्ति हैं।

(2) वे अत्यधिक परिश्रमी तथा सूझ-बूझ वाले व्यक्ति हैं।

(3) वे रूढ़िवादी विचारों के कट्टर विरोधी हैं।

प्रश्न 5. इस पाठ से मिलने वाली शिक्षा अथवा संदेश को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : इस पाठ से शिक्षा मिलती है कि असाधारण व्यक्तित्व का धनी और परिश्रमी व्यक्ति अपने संघर्ष के बल पर श्रेष्ठतम पद हासिल कर सकता है।

प्रश्न 6. ओबामा में निहित उनके राजनीतिक गुणों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

उत्तर : ओबामा एक साधारण वर्ग से होते हुए भी उन्होंने असाधारण राजनीतिक सफलता प्राप्त की है। उन्होंने अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश के राष्ट्रपति पद पर पहुँच कर अपने राजनीतिक ज्ञान और सूझ-बूझ का खास परिचय दिया है। उनमें एक विशाल राष्ट्र को संचालित करने के सभी राजनीतिक गुण विद्यमान हैं।

भाषा मंच

1. **'उप' शब्दांश का अर्थ होता है– पास, छोटा अथवा गौण।**
   यह एक उपसर्ग है।
   नीचे लिखे शब्दों में 'उप' उपसर्ग लगाइए। जैसे –
   उप + नेता = उपनेता
   उप + राष्ट्रपति = उपराष्ट्रपति
   उप + प्रधानमंत्री = उपप्रधानमंत्री
   उप + अध्यक्ष = उपाध्याक्ष
   उप + आचार्य = उपाचार्य
   उप + सेनापति = उपसेनापति
   उप + रोक्त = उपरोक्त
2. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :**
   राष्ट्रपिता = राष्ट्र + पिता **पूर्वाभ्यास** = पूर्व + अभ्यास
   गोलाकार = गोल + आकार **उपाध्यक्ष** = उप + अध्यक्ष
   राष्ट्राध्यक्ष = राष्ट्र + अध्यक्ष
3. **निम्नलिखित के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :**
   सूरज = रवि सूर्य भानु

चंद्रमा	=	चाँद	चंद्र	शशि
पक्षी	=	खग	विहग	पंछी
कमल	=	जलज	नीरज	अरविंद
हरि	=	भगवान	ईश्वर	परमात्मा

रचनात्मक उड़ान

स्वयं कीजिए।

परख के मंच पर

1. **क्या बराक ओबामा हमारे देश के प्रति मैत्री-भाव रखते हैं? पता लगाइए।**
   स्वयं कीजिए।
2. **क्या उनके चुनाव जीतने से पाकिस्तान पर कोई असर पड़ेगा?**
   स्वयं कीजिए।

अपना विकास अपने हाथ।

निम्न युगपुरुषों की पहचान कर उनके नाम लिखिए :

हिटलर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, बिल क्लिंटन, लेनिन

अध्याय - 8

जबानी बताओ

प्रश्न 1. क्या आपने कभी किसी को दु:ख पहुँचाया है?

उत्तर : स्वयं दें।

प्रश्न 2. क्या बड़े लोगों को उनके बुरे कर्मों का दंड मिलता है?

उत्तर : हाँ, बुरे कर्मों का दंड सभी को भुगतना पड़ता है।

प्रश्न 3. क्या हमें दूसरों को सताने का अधिकार है?

उत्तर : नहीं।

प्रश्न 4. क्या गरीब लोग अत्याचार किए जाने योग्य होते हैं?

उत्तर : नहीं।

प्रश्न 5. क्या आप किसी पर अत्याचार होते देखकर खामोश रहते हैं?

उत्तर : नहीं।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. माघ पूर्णिमा को क्या होता था?

उत्तर : माघ पूर्णिमा पर गंगा स्नान का मेला लगता था।

प्रश्न 2. रानी कहाँ स्नान करना चाहती थी?

उत्तर : रानी गंगा में स्नान करना चाहती थी।

प्रश्न 3. किसके घर जला दिए गए थे?

उत्तर : गरीबों के घर जला दिए गए थे।

प्रश्न 4. रानी को दंड किसने दिया था?

उत्तर : रानी को दंड काशी के महाराज ने दिया था।

प्रश्न 5. राजा किस नगर का राजा था?

उत्तर : राजा काशी नगर का राजा था।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. राजा ने क्रोधित होकर दरबार में क्या-क्या कहा?

उत्तर : राजा ने क्रोधित होकर कहा – तुमने काशी का अपमान किया है। तुमने घोर अपराध किया है। तुमने गरीबों के आश्रय छीने हैं। अत: तुम्हें भी एक वर्ष तक आश्रयहीन होना पड़ेगा। हम एक वर्ष के लिए तुम्हारा परित्याग करते हैं।

प्रश्न 2. राजा ने रानी को क्या दंड दिया और क्यों?

उत्तर : राजा ने रानी को पूरे एक वर्ष के लिए महल से बाहर किसी साधारण झोंपड़े में रहने की सजा दी। रानी को यह सजा इसलिए दी गई क्योंकि उन्होंने गरीबों के झोंपड़े जलवा दिए थे।

प्रश्न 3. इस पूरे नाटक को कहानी के रूप में लिखिए।

उत्तर : स्वयं कीजिए।

प्रश्न 4. राजा तथा रानी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर : राजा : काशी नरेश एक न्यायप्रिय तथा प्रजा प्रेमी राजा थे। उनमें एक महान व्यक्ति तथा राजा होने के सभी गुण विद्यमान

थे। उनकी न्यायप्रियता का उदाहरण इस घटना से मिल जाता है कि उन्होंने स्वयं अपनी की रानी के अपराध को भी क्षमा करने के बजाय उन्हें एक वर्ष के लिए महल से निर्वासित कर दिया था।

रानी : महारानी करुणा राजमहल के ठाठ-बाट में रहने वाली एक अहंकारी औरत थीं। उन्हें अपने सुख के आगे किसी का सुख नज़र नहीं आता था। अपनी प्रजा के प्रति भी वे अपना कोई उत्तरदायित्व नहीं समझती थीं। इसीलिए तो उन्होंने जानते समझते हुए भी जरा-सी बात के लिए गरीबों के झोंपड़े जलवा दिए थे। अत: रानी करुणा एक अहंकारी तथा सुखों को चाहने वाली महिला थीं।

प्रश्न 5. नाटक का देशकाल एवं स्थान के अनुसार मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर : स्वयं कीजिए।

भाषा मंच

1. **एकांकी अथवा नाटक का मुख्य तत्त्व है– संवाद। संवाद का अर्थ है- बातचीत अथवा वार्तालाप। संवाद कथोपकथन की वह शैली होती है, जिसमें किसी पात्र द्वारा कही गई बात या सोची हुई बात होती है। संवाद द्वारा पात्र के मनोभाव, उसकी आगामी योजना, कार्य की पुष्टि आदि होती है। हमारे द्वारा रचित संवाद की भाषा पात्रानुकूल होनी चाहिए। संवाद की भाषा सहज, ग्रहणीय, कालानुसार तथा प्रवाहमयी होनी चाहिए। संवादों में नाटकीयता होनी चाहिए।**

नीचे दिए गए स्थान में अपने द्वारा रचित कथोपकथन लिखिए :

स्वयं कीजिए।

2. **दिए गए वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए :**
   - **(क) राजा ने रानी को दंड दिया परंतु रानी रोई नहीं**
     राजा ने रानी को दंड दिया परंतु रानी रोई नहीं।
   - **(ख) आह बड़ी शीत है यहाँ**
     आह! बड़ी शीत है यहाँ।
   - **(ग) अरे तुमने आग नहीं जलाई**
     अरे! तुमने आग नहीं जलाई?
   - **(घ) तुम वहाँ कहाँ जा रही हो**
     तुम वहाँ कहाँ जा रही हो?
   - **(ङ) नहीं वह नहीं जाएगी**
     नहीं, वह नहीं जाएगी?
3. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :**
   - **(क) कथोपकथन** कथोप + कथन
   - **(ख) राज्योदय** राज्य + उदय
   - **(ग) परमात्मा** परम + आत्मा
   - **(घ) मेघाच्छादित** मेघा + आच्छादित
   - **(ङ) राज्यारोहण** राज्य + रोहण

परख के पंच पर

1. **आप जानते ही होंगे कि भारत के प्रसिद्ध अभिनेता श्री संजय दत्त अपने द्वारा अपराध किए जाने पर जेल जा चुके हैं और अन्य नेता भी जेल जाते रहते हैं। क्या ये सभी अपराध करके बच नहीं सकते थे?**

स्वयं कीजिए।

2. **क्या कानून से ऊपर भी कोई चीज़ है? क्या हमारी कानून व्यवस्था अपनी उपयुक्त स्थिति में है?**
   स्वयं कीजिए।

अपना विकास अपने हाथ।

2. **रंगीन शब्दों के लिंग बदल कर वाक्य को पुनः लिखिए।**
   1. **दास तुरंत दौड़ कर राजा के पास आया।**
      दासी तुरंत दौड़कर रानी के पास आई।
   2. **महारानी ने अपना अपराध स्वीकार किया।**
      महाराजा ने अपना अपराध स्वीकार किया।
   3. **अभागिन को कठोर सजा मिली।**
      अभागे को कठोर सजा मिली।
   4. **औरतें गंगा स्नान के लिए गईं।**
      पुरुष गंगा स्नान के लिए गए।

अध्याय - 9

जबानी बताओ

प्रश्न 1. क्या गरीब आदमी का भी मान-सम्मान होता है?

उत्तर : हाँ।

प्रश्न 2. गरीबी अभिशाप कैसे है?

उत्तर : गरीबी ही सब संकटों की जननी होती है। अत: गरीबी अभिशाप है।

प्रश्न 3. क्या हमें प्रारंभ से ही आत्मनिर्भर होना चाहिए?

उत्तर : हाँ।

प्रश्न 4. क्या हमें दूसरों के प्रति दयालु होना चाहिए?

उत्तर : हाँ।

प्रश्न 5. इस कहानी का मूल उद्देश्य क्या है?

उत्तर : इस कहानी का मूल उद्देश्य है - बालश्रम के कारणों को मिटाना समाज का दायित्व है।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. छोटे लड़के का नाम क्या था?

उत्तर : छोटे लड़के का नाम 'छोटा जादूगर' था।

प्रश्न 2. लेखक छोटे जादूगर से कहाँ मिला था?

उत्तर : लेखक छोटे जादूगर से क्रार्निवल के मैदान में मिला।

प्रश्न 3. लड़के ने कितने निशाने ठीक लगाए थे?

उत्तर : लड़के ने बारह निशाने ठीक लगाए थे।

प्रश्न 4. लड़के के पिता कहाँ थे?

उत्तर : लड़के के पिता जेल में थे।

प्रश्न 5. लड़का अपनी आजीविका कैसे कमाता था?

उत्तर : लड़का अपनी आजीविका लोगों को तमाशा दिखाकर कमाता था।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. कार्निवल में लेखक के साथ क्या घटना घटी?

उत्तर : लेखक कार्निवल के मैदान में घूम रहा था। अचानक लेखक की नज़र एक बालक पर पड़ी जो शरबत पीने वाले लोगों को देख रहा था। उसके शरीर पर फटे-पुराने कपड़े थे। उसके गले में सूत की मोटी रस्सी तथा ज़ेब में ताश के पत्ते थे। लेखक उसकी ओर आकर्षित हुआ तथा उसे एक दिन के लिए अपना मित्र बना लिया। इस लड़के ने अपना परिचय 'छोटे जादूगर' के रूप में दिया।

प्रश्न 2. लड़का जादू का खेल क्यों दिखाता था?

उत्तर : लड़के का परिवार बहुत गरीब था। उसके पिता जेल में बंद थे और माँ बीमारी के कारण बिस्तर में पड़ी थी। घर का सारा खर्च चलाने तथा बीमार माँ का इलाज कराने के लिए धन कमाने की समस्त जिम्मेदारी 'छोटा जादूगर' नामक बालक की ही थी। अत: लड़का जादू का खेल दिखाकर जो भी बन पाता था उसी में अपना तथा अपनी माँ का गुजर-बसर चलाता था।

प्रश्न 3. लेखक की पत्नी से प्राप्त एक रुपए का लड़के ने क्या किया और क्यों?

उत्तर : लड़के ने लेखक की पत्नी से प्राप्त एक रुपए से पेट भरकर पकौड़ी खाई तथा अपनी माँ के लिए एक सूती कंबल खरीदा। क्योंकि बच्चे की माँ के पास ओढ़ने के लिए कंबल नहीं था।

प्रश्न 4. लेखक लड़के के साथ कहाँ-कहाँ गया?

उत्तर : लेखक लड़के के साथ कार्निवल के मैदान में स्थित विविध स्थानों पर गया, जैसे शरबत की दुकान, निशाना लगाने वाली दुकान, पान की दुकान, वनस्पति उद्यान आदि।

प्रश्न 5. लड़के के स्वाभिमान का पता किस प्रसंग से चलता है?

उत्तर : लड़का गरीब था, परंतु फिर भी वह अपना पेट भरने के लिए भीख नहीं माँगता था, बल्कि जादू का खेल दिखाकर जो पैसा मिलता था, उसी में गुजारा करता था। लड़के के स्वाभिमान का पता इस बात से चलता है कि वह लेखक से खेल देखे बिना रुपया लेने से मना कर देता है।

भाषा मंच

(क) नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़िए :

1. **वहाँ बारिश हो रही थी।**
2. **कार्निवल के मैदान में बिजली की जगमग हो रही थी।**

इन वाक्यों को पढ़कर लगता नहीं है कि यह कार्य समाप्त हो गया है अथवा अभी तक जारी है। ऐसे वाक्यों को अपूर्ण भूतकाल कहते हैं।

पीछे दिए गए पाठों में से ऐसे ही पाँच वाक्य नीचे लिखिए :

स्वयं कीजिए

(ख) नीचे दिए गए वाक्यों में उद्देश्य एवं विधेय छाँटिए :

1. **पास जाकर देखा वो एक जादूगर था।**
   उद्देश्य जादूगर
   विधेय पास जाकर देखा वो एक
2. **वह स्वयं पत्ते फैलाकर खेल दिखाता।**
   उद्देश्य वह स्वयं
   विधेय पत्ते फैलाकर खेल दिखाता।
3. **मैंने खेल देखकर उसे एक रुपया दिया।**
   उद्देश्य मैंने
   विधेय खेल देखकर उसे एक रुपया दिया।
4. **जब वह आया उसकी माँ मर चुकी थी।**
   उद्देश्य जब वह
   विधेय आया उसकी माँ मर चुकी थी।

(ग) नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

बच्चा	बालक	बाल	लड़का
पशु	जंतु	जानवर	जीव
प्रिय	प्यारा	प्रेमी	आत्मीय
पंकज	कमल	नीरज	अरविंद

पानी जल वारि नीर

परख के पंच पर

1. **क्या हमारे देश से गरीबी कभी समाप्त नहीं होगी? क्या हम ऐसा कोई प्रयास भी कर रहे हैं कि सब रोज़गार प्राप्त कर सकें?**

   स्वयं कीजिए।

2. **आपने 'बालश्रम' के बारे में सुना होगा। क्या आपने किसी बच्चे को चाय की दुकान पर या अन्य जगह काम करते देखा है? क्या बच्चों का यूँ काम करना उचित है?**

   स्वयं कीजिए।

अपना विकास अपने हाथ

2. **प्रत्येक शब्द के समान तीन-तीन शब्द लिखिए :**

मोटरवाला	दूधवाला	गाड़ीवाला	फलवाला
जादूगर	सौदागर	बाजीगर	कारीगर
निशानेबाज	चालबाज	नशेबाज	तलवारबाज
दयावान	बलवान	पहलवान	गाड़ीवान

अध्याय - 10

जबानी बताओ

प्रश्न 1. लेखिका ने ड्राइवर को क्या आदेश दिया?

उत्तर : लेखिका ने ड्राइवर को बड़े मियाँ की ओर चलने का आदेश दिया।

प्रश्न 2. लेखिका को सलाम गुरुजी कहने वाला व्यक्ति कौन था?

उत्तर : लेखिका को सलाम गुरुजी कहने वाला व्यक्ति बड़ा मियाँ था।

प्रश्न 3. बड़े मियाँ के भाषण की क्या विशेषता थी?

उत्तर : बड़े मियाँ का भाषण सामने वाले को तुरंत प्रभावित कर लेता था।

प्रश्न 4. लेखिका के घर पहुँचने पर सबने क्या कहा?

उत्तर : सबने कहा कि पक्षी वाले ने लेखिका को तीतर के बच्चे देकर उन्हें मोर के बच्चे कहकर ठग लिया है।

प्रश्न 5. लेखिका ने अप्रसन्न होकर क्या कहा?

उत्तर : लेखिका ने अप्रसन्न होकर कहा – मोर में क्या सुर्खाब के पर लगे हैं। हैं तो पक्षी ही।

प्रश्न 6. लेखिका ने पिंजरे को कहाँ रख कर खोला?

उत्तर : लेखिका ने पिंजरे को अध्ययन कक्षा में रखकर खोला।

प्रश्न 7. रद्दी कागज़ों की टोकरी को किस तरह का गौरव मिला?

उत्तर : रद्दी कागजों की टोकरी को मोर के बच्चों के बसेरे का गौरव मिला।

प्रश्न 8. चिड़ियाघर के जीव-जंतुओं का संरक्षक कौन था?

उत्तर : चिड़ियाघर के जीव-जंतुओं का संरक्षक नीलकंठ नामक मोर था।

प्रश्न 9. नीलकंठ की मौत कब तथा कैसे हुई?

उत्तर : नीलकंठ की मौत कुब्जा के कोलहल तथा दाना-पानी त्याग देने के कारण हुई।

प्रश्न10. कुब्जा कौन थी?

उत्तर : कुब्जा एक मोरनी थी।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. लेखिका ने बड़े मियाँ से कितने पक्षी-शावक खरीदे?

उत्तर : लेखिका ने बड़े मियाँ से दो पक्षी शावक खरीदे।

प्रश्न 2. मोर के बच्चों को तीतर बताकर लेखिका का मज़ाक किसने उड़ाया?

उत्तर : लेखिका के घर वालों ने मोर के बच्चों को तीतर बताकर उसका मज़ाक उड़ाया।

प्रश्न 3. चित्रा कौन थी?

उत्तर : चित्रा लेखिका की बिल्ली का नाम था।

प्रश्न 4. जीव-जंतुओं का सामान्य निवास क्या था?

उत्तर : जीव-जंतुओं का सामान्य निवास जालीदार घर था।

प्रश्न 5. लक्का किस जंतु का नाम था?

उत्तर : लक्का कबूतर का नाम था।

प्रश्न 6. लेखिका ने कुब्जा नामक मोरनी को कब तथा कैसे खरीदा?

उत्तर : लेखिका ने कुब्जा को बड़े मियाँ के कहने पर उसकी दयनीय दशा पर तरस खाकर खरीदा।

प्रश्न 7. कुब्जा का स्वभाव कैसा था?

उत्तर : कुब्जा का स्वभाव ईर्ष्यापूर्ण था।

प्रश्न 8. राधा को कुब्जा ने कब तथा कैसे हानि पहुँचाई?

उत्तर : कुब्जा ने जालीघर में जाकर राधा की कलगी और पंख नोच डाले थे।

प्रश्न 9. नीलकंठ की मौत के बाद राधा की क्या स्थिति थी?

उत्तर : नीलकंठ की मौत के बाद राधा बेचैन होकर उसको ढूँढती रहती थी।

प्रश्न10. कुब्जा की मौत कैसे हुई?

उत्तर : कुब्जा की मौत कजली नामक कुतिया के काटने से हुई।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. लेखिका के हृदय में निहित पशु-प्रेम को पाठ से उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वर्णित कीजिए।

उत्तर : लेखिका के हृदय में पशु-प्रेम कूट-कूटकर भरा हुआ था। वह अपने घर में विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षियों को पूरे लाड़ प्यार के साथ पालती थी। बड़े मियाँ के कहने भर पर ही वह पक्षियों के बच्चों को खरीद लेती थी। कुब्जा नामक मोरनी को खरीद कर उन्होंने अपने पशु प्रेम का सजीव उदाहरण प्रस्तुत किया था। नीलकंठ की नटखट अदाओं को देखकर उसका खुश हो जाना तथा उस पर अपना खुलकर प्रेम दिखाना उसके पशु प्रेम का ही परिचायक था। अत: लेखिका के हृदय में प्रगाढ़ पशु प्रेम भरा था।

प्रश्न 2. यह रेखाचित्र हमें क्या प्रेरणा प्रदान करता है?

उत्तर : यह रेखाचित्र हमें यह प्रेरणा देता है कि यदि लेखिका की तरह हम सब भी पशु-पक्षियों के प्रति प्रगाढ़ प्रेम रखने लगें तो निश्चय ही उनको पूर्ण संरक्षण मिल सकेगा तथा हमारे आसपास का प्राकृतिक सौंदर्य बना रह सकेगा।

प्रश्न 3. नीलकंठ नामक मोर की विशेषताएँ बताइए?

उत्तर : नीलकंठ की निम्नलिखित विशेषताएँ थीं :

(1) नीलकंठ अति सुंदर तथा स्वस्थ मोर था।

(2) जब वह अपने पंखों को फैलाकर नाचता था तो सबका मन मोह लेता था।

(3) नीलकंठ जालीघर के सभी पशु-पक्षियों को बहुत प्रेम करता था तथा उनकी पूरी देखभाल करता था।

(4) नीलकंठ राधा नामक मोरनी से बहुत प्रेम करता था।

प्रश्न 4. इस पाठ में वर्णित जंतुओं की सामान्य खूबियाँ लिखिए।

उत्तर : इस पाठ में अनेक जंतुओं का वर्णन किया गया है जिनमें से कुछ की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :

(1) नीलकंठ लेखिका का प्रिय मोर तथा जालीघर के सभी पशु-पक्षियों का रखवाला है।

(2) राधा नीलकंठ की प्रिय मोरनी है।

(3) लक्का नटखट कबूतर है।

(4) चित्रा लेखिका की प्रिय बिल्ली है।

(5) कुब्जा अपने नाम के मुताबिक ईर्ष्या भाव रखने वाली मोरनी है।

प्रश्न 5. इस पाठ से नीलकंठ की मृत्यु के कारणों को चुनिए और लिखिए।

उत्तर : कुब्जा नामक मोरनी नीलकंठ की प्रिय मोरनी राधा से ईर्ष्या रखती थी। इसी कारण वह राधा को नीलकंठ के पास नहीं जाने देती थी। नीलकंठ ने राधा से दूर रहकर दाना-पानी लेना छोड़ दिया तथा अंतत: उसकी मृत्यु हो गई।

प्रश्न 6. कुब्जा नामक मोरनी का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : कुब्जा अपने नाम के मुताबिक मन में ईर्ष्या भाव रखने वाली मोरनी थी। उसकी ईर्ष्या का उदाहरण उस समय मिल जाता है

जब वह राधा को नीलकंठ के पास जाने से रोकती है तथा वह राधा से दूर रहकर अपने प्राण त्याग देता है। कुब्जा को जालीघर का कोई भी जंतु पसंद नहीं करता। अत: कुब्जा एक ईर्ष्यालु मोरनी थी।

भाषा मंच

1. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए :**

चिड़िया – चिड़ियाँ	बच्चा – बच्चे	पिंजड़ा – पिंजड़े
खुशी – खुशियाँ	विशेषता – विशेषताएँ	अलमारी – अलमारियाँ
खिड़की – खिड़कियाँ	कठिनाई – कठिनाइयाँ	मोरनी – मोरनियाँ
तरंग – तरंगें	जाली – जालियाँ	रागिनी – रागनियाँ

2. **निम्नलिखित के लिंग बदलिए :**

मोर – मोरनी	लेखिका – लेखक	आदमी – औरत
कबूतर – कबूतरी	हिरण – हिरणी	साँप – साँपिन
चाचा – चाची	वीर – वीरांगना	

3. **निम्नलिखित के लिए भाववाचक संज्ञाएँ लिखिए :**

सुंदर – सुंदरता	ऊँचा – ऊँचाई	अच्छा – अच्छाई	बच्चा – बचपन
खरीदना – खरीद	दयालु – दयालुता	पढ़ना – पढ़ाई	चंचल – चंचलता

4. **निम्नलिखित प्रत्ययों से तीन-तीन शब्द बनाइए :**

आई	**आन**	**आवट**	**नी**
पढ़ाई	उड़ान	लिखावट	ओढ़नी
लिखाई	लगान	सजावट	करनी
जुताई	महान	दिखावट	भरनी
सफाई	चालान	बनावट	जननी

5. **निम्नलिखित वाक्यों से विशेषण एवं विशेष्य चुनिए :**

		विशेषण	विशेष्य
(क)	बड़ें मियाँ के पास एक सुंदर मोर था।	सुंदर	मोर
(ख)	पूजा के पास एक काला कबूतर है।	काला	कबूतर
(ग)	लँगड़ी मोरनी सामने खड़ी थी।	लँगड़ी	मोरनी
(घ)	लेखिका अच्छी महिला थीं।	अच्छी	महिला
(ङ)	कई पक्षी जाली में से भाग गए थे।	कई	पक्षी

6. **निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :**

मोर	–	मयूर	केकी	भुंजगभोजी
सूर्य	–	सूरज	रवि	भानु
जल	–	पानी	नीर	तोय
पक्षी	–	खग	पंछी	नभचर

रचनात्मक उड़ान

1. **क्या आप बता सकते हैं कि कुब्जा ने नीलकंठ और राधा को किस तरह की हानि पहुँचाई तथा उनपर उसका क्या प्रभाव पड़ा?**
   स्वयं कीजिए।
2. **क्या आप कुब्जा के समान गुण किसी व्यक्ति में पाते हैं? यदि हाँ तो बताइए कैसे?**
   स्वयं कीजिए।
3. **लेखिका के समकक्ष किसी अन्य व्यक्ति का वर्णन कीजिए, जो जीव-जंतुओं के प्रति अत्यधिक दयालु अथवा प्रेमी हो।**
   स्वयं कीजिए।

4. **इस पाठ में आए शब्दों की वर्तनी के पुराने एवं नए रूप देखिए :**

पुराना रूप	**नया रूप**	**पुराना रूप**	**नया रूप**
आरम्भ	आरंभ	द्वारा	द्वारा
सम्भवत:	संभवत:	परन्तु	परंतु
रद्दी	रद्दी	नीलकण्ठ	नीलकंठ
मण्डलाकार	मंडलाकार	मन्द	मंद

परख के पंच पर

1. **महादेवी वर्मा अथवा लेखिका के हृदय के पशु-प्रेम को जानते हुए बड़े मियाँ के लिए उन्हें पक्षी बेचना सरल नज़र आता था और वे उनसे पक्षियों के दाम भी अच्छे प्राप्त कर लेते थे। क्या आप उक्त कथन से सहमत हैं? यदि हाँ तो बताइए कैसे?**
   स्वयं कीजिए।
2. **इस पाठ से उस भाग को चुनकर लिखिए जो लेखिका के पशु-प्रेम को सर्वाधिक प्रभावी ढंग से स्पष्ट करता है?**
   लेखिका के पशु-प्रेम का सर्वाधिक प्रभावी एवं स्पष्ट उदाहरण उस घटना से मिलता है जब लेखिका कुब्जा नामक मोरनी की दयनीय दशा देखकर भी उसे खरीद लेती है तथा उसे अपनी सेवा से स्वस्थ एवं नीरोग बनाती है।
3. **यह रेखाचित्र हमें जो संदेश प्रदान करता है उसे अपने शब्दों में लिखिए।**
   प्रश्न 2 का उत्तर देखें। (विस्तारित प्रश्नों में)

अपना विकास अपने हाथ

1. **इस रेखाचित्र की लेखिका महादेवी वर्मा जी हैं। उनके द्वारा रचित किसी अन्य रेखाचित्र को संकलित कर अपनी कापी में लिखिए।**
   स्वयं कीजिए।
2. **इस पाठ में प्रयुक्त तत्सम शब्दों को छाँटकर उनसे एक-एक वाक्य बनाइए।**
   स्वयं कीजिए।
3. **किसी विषय पर कोई रेखाचित्र लिखिए। इसके लिए आप अपने भाषा अध्यापक से सहयोग ले सकते हैं।**
   स्वयं कीजिए।
4. **निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए :**

निकट – दूर	गुरु – लघु	बच्चा– बड़ा
मारना – जिवाना	जीवित– मृत	छोटा – बड़ा

प्रसन्न – अप्रसन्न	साधारण – असाधारण	विकास – अविकास
समान – असमान	उष्णता – शीतलता	कोमल – कठोर

5. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए :

नवांगुतक – नव + आगंतुक	निश्चेष्ट – निः + चेष्ट
मंडलाकार – मंडल + आकार	आविर्भूत – आविर + भूत
उद्दीप्त – उद् + दीप्त	मेघाच्छन्न – मेघ + आच्छन्न

6. निम्नलिखित समस्त पदों के विग्रह करते हुए समास का नाम बताइए :

पक्षी-शावक	:	पक्षी और शावक	द्वंदव समास
लय-ताल	:	लय और ताल	द्वंदव समास
नीलकंठ	:	नीला है कंठ जिसका	बहुब्रीहि समास
चंचु-प्रहार	:	चंचु से प्रहार	अपादान तत्पुरुष समास
श्याम-श्वेत	:	श्याम और श्वेत	द्वंदव समास

अध्याय - 11

जबानी बताओ

प्रश्न 1. गाँधीजी की क्या विशेषता थी?

उत्तर : गाँधीजी हमेशा सत्य का साथ देते थे।

प्रश्न 2. गाँधीजी का क्या सिद्धांत था?

उत्तर : गाँधीजी का प्रमुख उद्देश्य समाज में आदर्श जीवन की स्थापना करना था।

प्रश्न 3. स्वामी आनंद कौन थे?

उत्तर : स्वामी आनंद महात्मा गाँधी के सहयोगी थे।

प्रश्न 4. रसोइया किसका आदर करता था?

उत्तर : रसोइया महात्मा गाँधी का आदर करता था।

प्रश्न 5. स्वामी का स्वभाव कैसा था?

उत्तर : स्वामी का स्वभाव अहंकारी था।

प्रश्न 6. गाँधीजी विकल क्यों हो उठे?

उत्तर : गाँधीजी रसोइए के साथ स्वामी आनंद द्वारा किए गए अत्याचार के बारे में सुनकर विकल हो उठे।

प्रश्न 7. स्वामी आनंद को गाँधीजी की किस बात पर विश्वास नहीं हुआ?

उत्तर : स्वामी आनंद को गाँधीजी की उस बात पर विश्वास न हुआ कि वे उसे रसोइए से माफी माँगने की बात कहेंगे।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. गाँधीजी के किस गुण ने उन्हें मानव से महामानव बनाया?

उत्तर : गाँधीजी के सिद्धांतों ने उन्हें मानव से महामानव बना दिया।

प्रश्न 2. 'नवजीवन' नामक समाचारपत्र कहाँ से प्रकाशित होता था?

उत्तर : नवजीवन नामक समाचारपत्र अहमदाबाद से प्रकाशित होता था।

प्रश्न 3. गाँधीजी मुंबई में कहाँ ठहरे?

उत्तर : गाँधीजी मुंबई में अपने एक मित्र के घर पर ठहरे।

प्रश्न 4. गाँधीजी ने इंग्लैंड के लोगों में कौन-सा गुण बताया?

उत्तर : गाँधीजी ने इंग्लैंड के लोगों के बारे में बताया कि वे अपने नौकर को भी अपने समान आदर देते हैं।

प्रश्न 5. स्वामी आनंद ने रसोइए को तमाचा क्यों मारा?

उत्तर : स्वामी आनंद ने रसोइए को तमाचा इसलिए मारा क्योंकि रसोइए ने उसका अपमान किया था।

प्रश्न 6. गाँधीजी ने स्वामी को क्या आदेश दिया?

उत्तर : गाँधीजी ने स्वामी को आदेश दिया कि वह रसोइए से माफी माँग ले।

प्रश्न 7. गाँधीजी के आदेश पर स्वामीजी को आश्चर्य क्यों हुआ?

उत्तर : स्वामी जी को महात्मा गाँधी के आदेश पर इसलिए आश्चर्य हुआ, क्योंकि वह नहीं जानता था कि गाँधीजी उससे एक रसोइए से माफी माँगने के लिए कह सकते हैं।

प्रश्न 8. स्वामीजी के माफ़ी माँगने पर रसोइए ने क्या कहा?

उत्तर : स्वामीजी ने कहा – 'मुझे माफ कर दो भाई! क्रोध में आपा खोकर मैंने तुझे जोर का तमाचा मार दिया।'

प्रश्न 9. क्या स्वामीजी का रसोइए से माफ़ी माँगना उचित था?

उत्तर : हाँ, स्वामी जी का रसोइए से माफी माँगना उचित था।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. इस संस्मरण में गाँधीजी के किस सिद्धांत का लेखक द्वारा प्रतिपादन किया गया है?

उत्तर : इस संस्मरण के माध्यम से लेखक ने गाँधीजी के आदर्श, मानवता और पारस्परिक समता भावना रूपी गुणों को बड़ी खूबी से प्रस्तुत किया है। गाँधीजी मानव तथा मानव के बीच कोई भेदभाव नहीं समझते थे। उनकी दृष्टि में सभी समान थे। इसीलिए तो उन्होंने स्वामीजी को रसोइए से माफी माँगने का आदेश दिया।

प्रश्न 2. अंत में स्वामीजी एवं रसोइए का मिलन किस तरह से हुआ?

उत्तर : गाँधीजी के समझाने पर स्वामीजी को अपनी गलती का एहसास हो गया तथा वे रसोइए से माफी माँगने के लिए तैयार हो गए। उन्होंने रसोइए से अपनी गलती की माफी माँगी तो रसोइए के अंदर का क्रोध प्रेम में बदल गया और दोनों के बीच मित्रता का भाव पनप गया।

प्रश्न 3. स्वामीजी के कृत्य को सुनकर महात्मा गाँधी के मन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर : महात्मा गाँधी सत्य की राह पर चलते थे तथा ऊँच-नीच आदि भेदभावों से परे सभी लोगों को समान आदर देते थे। वे सबको समान रूप से प्रेम करते थे। किसी के साथ अत्याचार होता था तो वे दु:खी हो जाते थे। इसी कारण जब उन्हें स्वामीजी द्वारा रसोइए को तमाचा मारने की घटना का पता चला तो वे दु:खी हो गए और उन्होंने स्वामीजी को दृढ़ता से आदेश दिया कि यदि वे उनके साथ रहना चाहते हैं तो रसोइए से माफी माँग लें।

भाषा मंच

1. **इनके जोड़े (युग्म) बनाइए :**

मान – मर्यादा	दीन – दु:खी	इज्जत – आबरु
सहयोग – सहायता	अन्याय – अत्याचार	स्नेह – प्रेम
अस्त्र – शस्त्र		

2. **निम्नलिखित वाक्यों में विविध कृदंतों को रेखांकित कर उनके नाम लिखिए :**

(क)	किया हुआ सब बेकार हो गया।	भूतकालिक
(ख)	भोजन करते-करते स्वामी उठ गए।	तात्कालिक
(ग)	गाँधीजी उसे देखते ही दु:खी हो गए।	तात्कालिक
(घ)	रोता हुआ रसोइया गाँधीजी के पास गया।	भूतकालिक
(ङ)	सभा होने वाली है।	कर्तृवाचक
(च)	मैं लिखने के लिए बैठा हूँ।	वर्तमानकालिक

3. **निम्नलिखित के लिए विपरीतार्थक लिखिए :**

सामान्य	– असामान्य	स्वीकार	– अस्वीकार	जीवन	– मरण
मित्र	– शत्रु	आदर	– अनादर	अपमान	– मान
अन्याय	– न्याय	धुँधला	– स्पष्ट	सामने	– पीछे

4. **निम्नलिखित के लिए तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :**

मित्र	सखा	दोस्त	सहचर
मनुष्य	मनुज	मानव	आदमी
घर	गृह	निकेतन	मकान

मर्यादा धर्म मान गौरव

5. निम्नलिखित निपातों से दो-दो वाक्य बनाइए :

ही स्वामीजी ही आ रहे हैं।
गाँधीजी दिल्ली ही जा रहे हैं।

भी मदन भी जा रहा है।
वह दिल्ली भी जाएगा।

तो मदन तो गया ही है।
मुझे जाने तो दो।

रचनात्मक उड़ान

1. यदि आप स्वामी आनंद के स्थान पर होते, तो क्या रसोइए जैसे साधारण नौकर से माफी माँगते? अगर माँगते तो क्यों? बताइए।

स्वयं कीजिए।

2. इस संस्मरण के आधार पर गाँधीजी के चरित्र की दो विशेषताएँ बताइए:

गाँधीजी के चरित्र की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :

(1) गाँधी जी सत्य का पालन करते थे।

(2) गाँधी जी ऊँच-नीच के भेदभावों को त्याग कर सभी को समान दृष्टि से देखते थे।

परख के मंच पर

1. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या अपने शब्दों में कीजिए :

एक ओर उनका मान भंग था तो दूसरी ओर बापू का त्याग। मनोमंथन चला, क्या करें? रसोइए से माफ़ी माँग लें?

स्वामीजी गाँधीजी की बात सुनकर असमझस में पड़ गए थे, क्योंकि एक तरफ तो उनका मान-सम्मान मिट्टी में मिल जाने की तथा दूसरी तरफ गाँधीजी का साथ छुट जाने की स्थिति बन गई थी। स्वामीजी ने स्थिति के बारे में गंभीरता से सोचा समझा तथा रसोइए से माफी माँगने में ही भलाई समझी।

2. इस संस्मरण से प्राप्त संदेश अथवा शिक्षा को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए :

इस संस्मरण से संदेश मिलता है कि हमें ऊँच-नीच के भेदभाव भूलाकर सबको समान रूप से आदर देना चाहिए तथा सबके साथ मिलकर रहना चाहिए।

अपना विकास अपने हाथ

1. इस पाठ में प्रयुक्त शब्दों की वर्तनी के नए एवं पुराने रूप देखिए :

पुराना रूप	नया रूप	पुराना रूप	नया रूप
सिद्धान्त	सिद्धांत	सम्बोधित	संबोधित
बम्बई	बंबई	आनन्द	आनंद

2. प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए :

ष् + ठ = ष्ठ	प्रतिष्ठा	अष्ठ	अनिष्ठ
त् + य = त्य	सत्य	अत्यंत	त्याग
स् + य = स्य	रहस्य	शस्या	हास्य
स् + व = स्व	स्वामी	स्वागत	स्वभाव
न् + न = न्न	अन्न	मुन्नी	सन्नी

अध्याय – 12

जबानी बताओ

प्रश्न 1. रहीम जी उत्तम प्रकृति (स्वभाव) के बारे में क्या कहते हैं?

उत्तर : रहीम जी उत्तम प्रकृति को सब प्रभावों से मुक्त मानते हैं।

प्रश्न 2. कुपूत किसी कुल के लिए किस तरह हानिकारक होता है?

उत्तर : कुपूत कुल की बदनामी ही करता है, उसकी शोभा नहीं बढ़ाता।

प्रश्न 3. चिंता तथा चिता की क्या विशेषताएँ हैं?

उत्तर : चिंता चित को खाती है तथा चिता निर्जीव को।

प्रश्न 4. गरीब का हित करने वाले लोग कैसे होते हैं?

उत्तर : गरीब का हित करने वाले लोग बड़े होते हैं।

प्रश्न 5. मछली किसका मोह नहीं त्यागती?

उत्तर : मछली जल को मोह नहीं त्यागती।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. कुसंग का प्रभाव किन लोगों पर नहीं पड़ता?

उत्तर : कुसंग का प्रभाव उत्तम प्रकृति के लोगों पर नहीं पड़ता।

प्रश्न 2. चिता एवं चिंता में क्या अंतर है?

उत्तर : चिंता जीवित आदमी को धीरे–धीरे खाती है तथा चिता निर्जीव शरीर को एक बार खाती है।

प्रश्न 3. सुई के स्थान पर तलवार क्यों काम नहीं आती है?

उत्तर : सुई सिलाई का काम कर सकती है जबकि तलवार केवल काट सकती है। अत: सूई के स्थान पर तलवार काम नहीं आ सकती।

प्रश्न 4. किसके सिर पर जूतियाँ पड़ती हैं?

उत्तर : बुरा बोलने वाली जिह्वा वाले व्यक्ति के सिर पर जूतियाँ पड़ती हैं।

प्रश्न 5. जीभ बावरी क्यों होती है?

उत्तर : जीभ बावरी इसीलिए होती है, क्योंकि वह कुछ भी कहने से बाज नहीं आती।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. इस कविता को गद्य के रूप में लिखिए।

उत्तर : स्वयं करें।

प्रश्न 2. सच्चे प्रेमी के लक्षण किस दोहे में बताए गए हैं? व्याख्या कीजिए।

उत्तर : सच्चे प्रेमी के लक्षण पाँचवें दोहे में बताए गए हैं – इसके अनुसार गरीब का भला करने वाले लोग ही संसार में श्रेष्ठ होते हैं। जैसे कि भगवान श्रीकृष्ण तथा सुदामा के बीच सच्चा प्रेम तथा मित्रता थी। उन दोनों में ज़मीन–आसमान का अंतर होते हुए भी गहरा प्रेम था।

प्रश्न 3. रहीमजी बड़ों तथा छोटों के बारे में किस तरह के विचार रखते हैं? बताइए।

उत्तर : रहीम जी का कहना है कि बड़े लोगों के कारण छोटे लोगों को त्याग देना अथवा उनकी उपेक्षा करना ठीक नहीं है। क्योंकि सबका अपना–अपना महत्त्व होता है जैसे कि सूई के स्थान पर तलवार से काम नहीं लिया जा सकता।

प्रश्न 4. रहीमजी मन की व्यथा को मन में ही रखने की बात क्यों कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : रहीम जी का कहना है कि मनुष्य को अपनी व्यथा को अपने मन में ही छुपाकर रखना चाहिए। मन के दु:खों या व्यथा को दूसरों को बताने से केवल उनके हँसी-मजाक का ही पात्र बनना पड़ता है। अर्थात् लोग दूसरे के दु:खों को बाँटने के बजाय केवल उनके दु:खों पर हँसते ही हैं।

भाषा मंच

1. **निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए :**

सुजन	– सज्जन	बापुरो	– बेचारा
बड़	– बड़ा	सरग	– स्वर्ग
मछरी	– मछली	मिताई	– मित्रता

2. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :**

कुसंग – बुरी संगति = कुसंग से हमेशा बचो।
उजियारो – उजाला = सुपुत्र घर का उजियारा होता है।
सुजन – प्रेमी = सुजन का साथ हमेशा बनाए रखो।
निर्जीव – जीव रहित = निर्जीव शरीर चिता का रूप होता है।
तलवारि – तलवार = उसने तलवारि निकाल कर उसे धार दी।
कपाल – खोपड़ी = कपाल पर जूते पड़े तो अक्ल अपने आप आ आई।

3. **निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए :**

उत्तम	– निम्नतम	विष	– अमृत	अँधेरा	– उजाला
कठिन	– सरल	निर्जीव	– सजीव	जीव	– निर्जीव
लघु	– गुरु	गरीब	– अमीर	जल	– थल

4. **निम्नलिखित शब्दों के लिए तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :**

साँप : सर्प, भुजंग, विषधर **मनुष्य** : मानव, आदमी, मनुज
मित्र : सखा, दोस्त, मीत **जल** : पानी, तोय, नीर

5. **निम्नलिखित तत्सम शब्दों के लिए तद्भव शब्द लिखिए:**

अंधकार	– अँधेरा	अग्नि	– आग
हस्त	– हाथ	निद्रा	– नींद
कर्म	– काम	कृष्ण	– काला

रचनात्मक उड़ान

1. **इन चित्रों को देखिए तथा इनसे संबंधित दोहों को लिखकर उनका भावार्थ बताइए:**

दोहा : जे गरीब ..... मिताई जोग।

भावार्थ: भक्त कवि रहीम जी कहते हैं कि जो व्यक्ति गरीब लोगों का हित करते हैं, वही संसार में बड़े लोग कहलाने के काबिल होते हैं। बेचारा सुदामा श्रीकृष्ण की बराबरी का नहीं था, फिर भी श्रीकृष्ण ने सुदामा से मित्रता निभाई। अर्थात् श्रीकृष्ण तथा सुदामा की दोस्ती अमीरी-गरीबी के मेल का सजीव उदाहरण है।

दोहा : रहिमन देखि ..... करै तलवारि।

भावार्थ : कवि रहीम जी कहते हैं कि हमें किसी बड़े व्यक्ति या वस्तु के मोह में फँसकर छोटे व्यक्ति या वस्तु की

उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। क्योंकि सबका अपना-अपना महत्त्व होता है। उदाहरणत: जिस तरह सूई के स्थान पर तलवार से काम नहीं लिया जा सकता। उसी तरह छोटे व्यक्ति या वस्तु का काम बड़ा व्यक्ति या वस्तु नहीं कर सकते।

दोहा : रहिमन वे नर ..... निकसत नाहिं।

भावार्थ : रहीम जी उन लोगों को मरे हुए लोगों के समान मानते हैं जो किसी से भीख माँगते हैं। कवि आगे कहते हैं कि जो लोग किसी के भीख माँगने पर भी उसे भीख नहीं देते वे भिखारी से भी पहले मर चुके होते हैं।

अपना विकास अपने हाथ

1. **रहीम, कबीर, तुलसी आदि संत कवियों के नीतिपरक दोहों को संग्रहीत कीजिए।**
   स्वयं कीजिए।
2. **स्वयं कोई दोहा बनाइए तथा यहाँ लिखिए :**
   स्वयं कीजिए।
3. **रहीमजी के जीवन एवं उनके काव्य पर जानकारी एकत्र कीजिए।**
   स्वयं कीजिए।
4. **प्रत्येक के लिए दो-दो उदाहरण दीजिए :**

व् + य = व्य	व्याप्त	व्यक्त	अव्यय
ष् + ण = ष्ण	कृष्ण	विष्णु	कृष्णा
च् + च = च्च	कच्चा	सच्चा	बच्चा
च् + छ = च्छ	अच्छा	लच्छी	कच्छी

5. **निम्नलिखित शब्द-युग्मों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :**
   - **अवधि** - निर्धारित समय = निश्चित अवधि में काम समाप्त करो।
   - **अवधी** - अवध की भाषा = उसे अवधी का ज्ञान है।
   - **निर्धन** - गरीब = रमेश निर्धन आदमी है।
   - **निधन** - मृत्यु = कल राजेश का निधन हो गया।
   - **दशा** - स्थिति = उसकी दशा शोचनीय हो गई है।
   - **दिशा** - तरफ = वह उत्तर दिशा में गया था।

अध्याय - 13

जबानी बताओ

प्रश्न 1. कल्पना चावला का जन्म कब तथा कहाँ हुआ?

उत्तर : कल्पना चावला का जन्म 7 जुलाई, 1961 को करनाल में हुआ था।

प्रश्न 2. कल्पना चावला ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कहाँ से प्राप्त की?

उत्तर : कल्पना चावला ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा करनाल (हरियाणा) में प्राप्त की।

प्रश्न 3. कल्पना चावला की सूझ-बूझ कैसी थी?

उत्तर : कल्पना चावला की सुझ-बूझ अनोखी थी।

प्रश्न 4. प्रथम स्पेस शटल का क्या नाम था?

उत्तर : प्रथम स्पेस शटल का नाम कोलंबिया था।

प्रश्न 5. कोलंबिया यान की एक विशेषता बताइए।

उत्तर : इसे बार-बार अंतरिक्ष में भेजा जा सकता था।

प्रश्न 6. कल्पना चावला कैसा आहार ग्रहण करती थीं?

उत्तर : कल्पना चावला अत्यधिक ऊर्जायुक्त भोजन ग्रहण करती थी।

प्रश्न 7. कल्पना चावला अमेरिका कब गईं?

उत्तर : कल्पना चावला 1980 में अमेरिका गईं।

प्रश्न 8. प्रशिक्षण के दौरान कल्पना चावला को भोजन में कितने कैलोरी ऊर्जा ग्रहण करनी पड़ती थी?

उत्तर : कल्पना चावला को प्रशिक्षण के दौरान भोजन में 2700 कैलोरी ऊर्जा ग्रहण करनी पड़ती थी।

प्रश्न 9. अंतरिक्ष में कौन-सी सबसे बड़ी समस्या उत्पन्न होती है?

उत्तर : अंतरिक्ष में भारहीनता की सबसे बड़ी समस्या उत्पन्न होती है।

प्रश्न10. कोलंबिया रॉकेट के किस भाग पर स्थित था?

उत्तर : कोलंबिया रॉकेट के सिरे पर स्थित था।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. कल्पना चावला के पिता क्या काम करते थे?

उत्तर : कल्पना चावला के पिता व्यापार करते थे।

प्रश्न 2. कल्पना चावला ने चंडीगढ़ से कौन-सी डिग्री हासिल की?

उत्तर : कल्पना चावला ने चंडीगढ़ से वैमानिकीय इंजीनियरिंग में स्नातकोतर की उपाधि हासिल की।

प्रश्न 3. कल्पना चावला का विवाह कब तथा किससे संपन्न हुआ?

उत्तर : कल्पना चावला का विवाह 1984 में जिया पिअरे हैरीसन से संपन्न हुआ।

प्रश्न 4. कोलंबिया नामक स्पेस शटल पहली बार अंतरिक्ष में कब भेजा गया?

उत्तर : कोलंबिया को पहली बार 12 अप्रैल, 1981 को अंतरिक्ष में भेजा गया।

प्रश्न 5. कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में भारहीनता का सामना करने के लिए किस तरह का प्रशिक्षण प्राप्त किया?

उत्तर : उन्होंने अंतरिक्ष में भारहीनता का सामना करने के लिए प्रयोगशाला में कठोर प्रशिक्षण लिया।

प्रश्न 6. 19 नवंबर, 1997 को कौन-सी घटना घटी?

उत्तर : 19 नवंबर, 1997 को कोलंबिया को अंतरिक्ष में भेजा गया था।

प्रश्न 7. अंतरिक्ष में सूर्य कैसे उदय होता है?

उत्तर : अंतरिक्ष में सूर्य गड़गड़ाहट के साथ उदय होता है।

प्रश्न 8. कल्पना चावला ने अंतरिक्ष की यात्रा कितनी बार की?

उत्तर : कल्पना चावना ने दो बार अंतरिक्ष यात्रा की।

प्रश्न 9. कल्पना चावला की मृत्यु कब तथा कैसे हुई?

उत्तर : कल्पना चावला की मृत्यु 1 फरवरी, 2003 को अंतरिक्ष यान में विस्फोट होने से हुई।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. कल्पना चावला के जन्म तथा उनकी शिक्षा का वर्णन विस्तार से दें।

उत्तर : कल्पना चावला मूलत: हरियाणा प्रांत के करनाल जिले की रहने वाली थीं। उनका जन्म 7 जुलाई, 1961 को करनाल में ही हुआ था। उनके पिता एक व्यापारी थे। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा करनाल में रहकर ही टैगोर बाल निकेतन नामक विद्यालय से की। उसके उपरांत उन्होंने चंडीगढ़ से वैमानिकीय इंजीनियरिंग में स्नातकोतर उपाधि ग्रहण की तथा फिर उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चली गईं।

प्रश्न 2. कल्पना चावला ने अंतरिक्ष यात्री के रूप में प्रशिक्षण कहाँ से प्राप्त किया? प्रशिक्षण का तरीका भी लिखिए।

उत्तर : कल्पना चावला ने अंतरिक्ष यात्री के रूप में प्रशिक्षण अमेरिकी अंतरिक्ष प्रशिक्षण संस्थान से लिया था। अपने प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने कठोर व्यायाम करना पड़ता था तथा प्रतिदिन उच्च कैलोरी (2700 कैलोरी) वाला भोजन ग्रहण करना पड़ता था। अंतरिक्ष में भारहीनता जैसी समस्या का सामना करने के लिए भी उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में विशेष प्रशिक्षण हासिल किया था।

प्रश्न 3. कल्पना चावला का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर : कल्पना चावला भले ही अमेरिकी नागरिकता हासिल कर वहीं निवास करती थी। फिर भी वह भारतीय महिलाओं के लिए एक आदर्श हैं। उन्होंने एक सामान्य परिवार से संबंध रखते हुए भी अपने परिश्रम एवं बौद्धिक बल पर अमेरिका जैसे बड़े देश में एक अंतरिक्ष यात्री के रूप में चयन पाया। कठोर प्रशिक्षण प्राप्त कर साबित कर दिया कि वे किसी ताकतवर पुरुष से कम नहीं हैं। उन्होंने दो बार अंतरिक्ष की यात्रा की तथा अंतत: अंतरिक्ष में ही विलीन होकर रह गई। परिणाम चाहे जो भी रहा हो, सत्य यही है कि कल्पना चावला आधुनिक नारी की शक्ति का परिचायक हैं।

भाषा मंच

1. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए :**

यात्रा – यात्राएँ	घटना – घटनाएँ	नारी – नारियाँ
प्रेरणा – प्रेरणाएँ	शिक्षा – शिक्षाएँ	घंटा – घंटे
प्रयोगशाला – प्रयोगशालाएँ	खिड़की – खिडकियाँ	समस्या – समस्याएँ

2. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :**

प्रेरणा : शिक्षा = महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ो।

आदर्श : अनुकरण करने योग्य = कल्पना चावला भारतीय नारियों के लिए एक आदर्श हैं।

स्पेस शटल : अंतरिक्ष यान = स्पेस शटल उड़ने के लिए तैयार है।

भारहीनता : भार शून्यता = भारहीनता अंतरिक्ष में सबसे विकट समस्या होती है।

प्रचंड : अत्यधिक तीव्र = एकाएक प्रचंड़ पवनें बहने लगी।

3. **लिंग बदलिए :**

नारी	– नर	औरत	– मर्द	लड़की	– लड़का
साम्राज्ञी	– सम्राट	प्रशिक्षक	– प्रशिक्षिका	सिंह	– सिंहनी

4. निम्नलिखित के लिए तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :

सूर्य – सूरज, रवि, भानु

आदमी – मनुज, मनुष्य, मानव

नारी – औरत, महिला, स्त्री

आकाश – अंवर, गगन, व्योम

5. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए :

गर्व	– गौरवमय	अज्ञान	– अज्ञानी	अर्थ	– आर्थिक
भूगोल	– भौगोलिक	भारत	– भारतीय	भाग्य	– भाग्यशाली
दिन	– दैनिक	उत्साह	– उत्साहित	साहस	– साहसिक

6. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए :

(क)	**महीने में एक बार होने वाला**	मासिक
(ख)	**आँखों के सामने**	प्रत्यक्ष
(ग)	**जिसका आदि न हो**	अनादि
(घ)	**उपकार को मानने वाला**	कृतज्ञ
(ङ)	**चार भुजाओं वाला**	चतुर्भुज
(च)	**जो दिखाई न दे**	अप्रत्यक्ष
(छ)	**जीवन भर रहने वाला**	आजीवन

7. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

(क) अक्ल का दुश्मन : मूर्ख = रानी को समझाने का क्या लाभ? वह तो अक्ल की दुश्मन है।

(ख) अगर-मगर करना : टालना = अगर-मगर करने से काम न चलेगा जाओ और घर से पुस्तक लेकर आओ।

(ग) उँगली उठाना : दोष लगाना = रमा पर उँगली उठाने से पहले अपने बारे में सोच लो।

(घ) कलई खुलना : रहस्य खुलना = राम द्वारा की गई चोरी की कलई खुली तो पुलिस उसके पीछे पड़ गई।

(ङ) कमर टूटना : बहुत थकना = सारा दिन काम करते-करते मेरी तो कमर टूट गई है, जरा अब कुछ आराम कर लूँ।

8. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उपयुक्त संबंधबोधक अव्यय भरिए :

(क) कल्पना चावला घर **से दूर** पहुँच गई थी। (दूर/से दूर)

(ख) स्पेस शटल **के पीछे** से प्रचंड अग्नि निकल रही थी। (के पीछे/पीछे)

(ग) राम बाज़ार **की ओर** गया है। (की ओर/ में)

(घ) **उसके** सामने तुम कहीं नहीं ठहर सकते। (उसके/इनके)

(ङ) यान आसमान **की ओर** उड़ गया। (की ओर/तरफ)

रचनात्मक उड़ान

स्वयं कीजिए।

अपना विकास अपने हाथ

1. इस पाठ में प्रयुक्त शब्दों की वर्तनी के पुराने तथा नए रूप देखिए :

पुराना रूप	नया रूप	पुराना रूप	नया रूप

चन्द्रमा	**चंद्रमा**	**अन्तरिक्ष**	**अंतरिक्ष**
चण्डीगढ़	**चंडीगढ़**	**केन्द्र**	**केंद्र**
प्रारम्भिक	**प्रारंभिक**	**प्रचण्ड**	**प्रचंड**

2. इस पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्द-संयोगों के दो-दो उदाहरण दीजिए:

स् + न =	**स्न**	**स्नान**	स्नायु	स्नानागार
न् + ह =	**न्ह**	**उन्होंने**	उन्हें	चिन्ह
स् + य =	**स्य**	**समस्या**	शस्य	रहस्य
क् + क =	**क्क**	**चक्कर**	पक्का	मक्का
प् + त =	**प्त**	**समाप्त**	प्राप्त	सप्त

3. इस पाठ में प्रयुक्त अंग्रेज़ी शब्दों के पर्याय लिखते हुए उन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

एअरोनॉटिकल = वैमानिकी – कल्पना चावला ने एअरोनॉटिकल में डिग्री ली।

इंजीनियरिंग = अभियांत्रिकी – देश में इंजीनियरिंग कालेजों की कमी नहीं है।

स्पेस शटल = अंतरिक्षयान – कोलंबिया को स्पेस शटल से जोड़ा गया।

इंजन = इंजन – रेलगाड़ी का इंजन खराब हो गया था।

अध्याय - 14

जुबानी बताओ

प्रश्न 1. फूलों की छाँह का मज़ा कौन ले सकता है?

उत्तर : फूलों की छाँह का मजा काँटों के जख्म सहने वाला ही ले सकता है।

प्रश्न 2. आराम लोगों के लिए मौत कैसे है?

उत्तर : आराम लोगों के लिए मौत इसलिए है कि आराम ही आलस्स और दु:खों का दूसरा नाम है।

प्रश्न 3. भोजन का असली स्वाद कौन ले सकता है?

उत्तर : भोजन का असली स्वाद केवल भूखा व्यक्ति ही ले सकता है।

प्रश्न 4. बड़ी चीज़ें कब विकसित होती हैं?

उत्तर : बड़ी चीजें संकटों से ही विकास पाती हैं।

प्रश्न 5. पांडवों ने कौन-सी मुसीबत झेली थी?

उत्तर : पांडवों ने लाक्षागृह जैसी मुसीबत झेली थी।

प्रश्न 6. लेखक के अनुसार कौन-सी जिंदगी सबसे बड़ी होती है?

उत्तर : साहस की जिंदगी ही सबसे बड़ी जिंदगी है।

प्रश्न 7. कैसा व्यक्ति जीवन का वास्तविक आनंद नहीं ले पाता है?

उत्तर : अपने ही घेरों की बीच में कैद व्यक्ति जीवन का वास्तविक आनंद नहीं ले पाता।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. चाँदनी का सच्चा आनंद किसे प्राप्त होता है?

उत्तर : रातों को जागने वाला ही चाँदनी का सच्चा आनंद ले सकता है।

प्रश्न 2. उपवास और संयम का क्या फल मिलता है?

उत्तर : उपवास और संयम से भोजन करने का असली स्वाद प्राप्त होता है।

प्रश्न 3. अकबर की हिम्मत का कोई एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर : अकबर ने तेरह साल की उम्र में अपने बाप के दुश्मन को परास्त कर दिया था।

प्रश्न 4. महाभारत में अधिकांश लोग किसके पक्ष में थे?

उत्तर : महाभारत में अधिकांश लोग कौरवों के पक्ष में थे।

प्रश्न 5. विंस्टन चर्चिल ने जीवन के बारे में क्या कहा है?

उत्तर : उन्होंने कहा कि जिंदगी की सबसे बड़ी सिफत हिम्मत है।

प्रश्न 6. जीवन की दो सूरत कौन सी हैं?

उत्तर : जीवन की दो सूरतें सफलता एवं असफलता है।

प्रश्न 7. साहसी मनुष्य की पहली पहचान क्या है?

उत्तर : साहसी मनुष्य जोखिम उठाने से नहीं डरता है।

प्रश्न 8. साधारण जीव के क्या काम होते हैं?

उत्तर : साधारण जीव सांसारिक सुखों के पीछे भागते फिरते हैं।

प्रश्न 9. कैसा व्यक्ति कायर कहलाता है?

उत्तर : हिम्मत तथा साहस से विहीन व्यक्ति कायर कहलाता है।

प्रश्न 10. मनुष्य को कामना का दामन छोटा क्यों नहीं करना चाहिए?

उत्तर : मनुष्य को अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए कामना का दामन छोटा नहीं करना चाहिए।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. बड़ी चीज़ें बड़े संकटों में विकास पाती हैं। इस कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : बड़ीं चीजें बड़ें संकटों में ही विकास पाती हैं। इसका अर्थ यह है कि जब मनुष्य किसी उद्देश्य को हासिल करना चाहता है तो उसके सामने अनेक जोखिम आते हैं जिन्हें उसके द्वारा हिम्मत और साहस के साथ सहन करना पड़ता है। असफलताओं से और अधिक मेहनत करने की सीख लेनी पड़ती है। अत: हम कह सकते हैं कि बड़ी चीजें बड़ें संकटों में ही विकास पाती हैं।

प्रश्न 2. इस पाठ से मिलने वाले संदेश एवं शिक्षा को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

उत्तर : इस पाठ से यह शिक्षा मिलती है कि जीवन में सफलताओं का असली मजा साहसी तथा निडर लोग ही लेते हैं। कायर तो केवल कष्ट ही भोगते हैं। अत: हमें परिश्रमी, निडर तथा साहसी होना चाहिए।

प्रश्न 3. साहस और संघर्ष का जीवन में क्या महत्त्व है? पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर : साहस और संघर्ष ही जीवन को जीने के योग्य बनाते हैं। जिस व्यक्ति में साहस और संघर्ष करने की योग्यता नहीं होती वह कदम-कदम पर हार का मुँह देखता है। वह हमेशा असफलताओं के अंधकार में कैद रहता है। अत: हम कह सकते हैं कि साहस तथा संघर्ष ही जीवन का मूल हैं।

4. **निम्नलिखित शब्दों के हिंदी रूप लिखकर वाक्य बनाइए :**

खौफ़ – डर = खौफ जीवन का नरक बना देता है।

महसूस – अनुभव = उसने आनंद महसूस किया तो चैन से बैठ गया।

जोख़िम – खतरा = जीवन जोख़िम उठाने का नाम है।

मकसद – उद्देश्य = हर आदमी का अपना एक मकसद होता है।

ज़रूरत – आवश्यकता = ज़रूरत ही सब काम कराती है।

मुसीबत – समस्या = मुसीबत के समय धैर्य से काम लेना चाहिए।

भाषा मंच

1. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए :**

खतरा	– खतरे	खिड़की	– खिड़कियाँ	रात	– रातें
मुसीबत	– मुसीबतें	कहानी	– कहानियाँ	कोशिश	– कोशिशें
आत्मा	– आत्माएँ	चिंता	– चिंताएँ	चुनौती	– चुनौतियाँ

2. **इनके विपरीतार्थक लिखिए :**

सूखा	– गीला	आराम	– काम	शीतल	– गरम
रात	– दिन	विकास	– अविकास	पक्ष	– विपक्ष
रोशनी	– अँधेरा	सुख	– दु:ख	असली	– नकली

3. **इस पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित भाववाचक संज्ञाओं से वाक्य बनाइए :**

शीतलता : पेड़ के नीचे बड़ी शीतलता का एहसास हुआ।

शत्रुता : किसी से शत्रुता मत रखिए।

हार : मन की कमज़ोरी ही हमारी हार का कारण बनती है।

निकटता : उससे निकटता बनाना खतरे से खाली नहीं।

दासता : दासता का जीवन नरक के समान होता है।

3. लिंग बदलिए :

वीर	– वीरांगना	औरत	– मर्द	लड़की	– लड़का
सम्राट	– साम्राज्ञी	हिरण	– हिरणी	सिंह	– सिंहनी

4. निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्‌भव रूप लिखिए :

रवि	– सूर्य	कर्म	– काम	अग्र	– आगे
रात्रि	– रात	दिवस	– दिन	अस्थि	– हड्‌डी
पुष्प	– फूल	मुख	– मुँह	हस्त	– हाथ

5. निम्नलिखित प्रत्ययों से कोई तीन-तीन शब्द बनाइए :

हार	होनहार	व्यवहार	शाकाहार
दार	सरदार	खबरदार	जमादार
नी	चटनी	रागनी	मोरनी

6. इन वाक्यों में से अकर्मक एवं सकर्मक क्रियाएँ छाँटकर लिखिए :

		अकर्मक	सकर्मक
(क)	वह हँस रहा है।	हँस रहा है।	
(ख)	बालक चिल्लाया।	चिल्लाया	
(ग)	दूध उबल रहा है।		दूध उबल रहा है।
(घ)	मैंने पुस्तक पढ़ी।		पुस्तक पढ़ी
(ङ)	वह पत्र लिख रहा है।		पत्र लिख रहा है।

रचनात्मक उड़ान

स्वयं कीजिए

अपना विकास अपने हाथ।

2. पाठ में प्रयुक्त इन शब्द संयोगों के दो-दो उदाहरण दीजिए :

न्	+	त	=	न्त	अन्त	सन्त	दुखान्त
द्	+	द	=	द्‌द	उद्‌देश्य	कद्‌दू	खद्‌दर
ण्	+	ड	=	ण्ड	पाण्डव	पाण्डव	भाण्ड
स्	+	त	=	स्त	रास्ता	अस्त	सस्ता
न्	+	न	=	न्न	पन्ना	अन्न	सन्नाटा

अध्याय – 15

जबानी बताओ

प्रश्न 1. राजा किसे देखकर काँप उठा?

उत्तर : राजा सत्य को देखकर काँप उठा।

प्रश्न 2. राजा भोज के मन की जाँच करने की बात किसने कही?

उत्तर : राजा भोज के मन की जाँच करने की बात सत्य ने कही।

प्रश्न 3. सत्य राजा को कहाँ लेकर गया?

उत्तर : सत्य राजा को पेड़ों के पास लेकर गया।

प्रश्न 4. राजा भोज को पसीना क्यों आया?

उत्तर : सत्य के मुख से सच्चाई सुनकर राजा भोज को पसीना आ गया।

कलम उठाओ

इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :

प्रश्न 1. राजा भोज से सत्य ने स्वप्न में कौन-सा प्रश्न पूछा?

उत्तर : राजा भोज से सत्य ने पूछा कि बता तूने कौन-कौन से पुण्यकर्म किए हैं।

प्रश्न 2. लाल, पीले व सफ़ेद फूलों का क्या अर्थ था?

उत्तर : लाल, पीले व सफेद फूलों का अर्थ भोज की भक्ति का प्रताप था।

प्रश्न 3. राजा भोज सत्य की कौन-सी बात सुनकर प्रसन्न हुआ?

उत्तर : राजा भोज सत्य से पुण्यकर्मों के बारे में किए गए प्रश्नों को सुनकर प्रसन्न हुआ।

प्रश्न 4. सत्य के छूते ही पेड़ों से फल क्यों गिर पड़े?

उत्तर : सत्य के छूते ही पेड़ों से फल इसलिए गिर पड़े क्योंकि वे तप के वास्तविक फल नहीं थे।

प्रश्न 5. दीनबंधु दीनानाथ किनकी विनती सुनता है?

उत्तर : दीनबंधु दीनानाथ अपने भक्तों की विनती सुनता है।

इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :

प्रश्न 1. सत्य ने सच्चे धर्म की किस तरह व्याख्या की? उसका राजा भोज के मन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर : सत्य ने सच्चे धर्म के बारे में बताते हुए कहा कि दुनिया को दिखलाने तथा प्रशंसा पाने के लिए ईश्वर की भक्ति करना व्यर्थ ही समय नष्ट करना है। उससे किसी फल की प्राप्ति नहीं होती है। अत: मनुष्य को सच्चे मन से ईश्वर की भक्ति करनी चाहिए। सत्य के विचारों का राजा भोजन के मन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

प्रश्न 2. इस कहानी से मिलने वाले संदेश एवं शिक्षा को अपने शब्दों में प्रकट कीजिए।

उत्तर : इस कहानी से संदेश मिलता है कि मनुष्य को दीनबंधु अर्थात् ईश्वर की भक्ति सच्चे मन से करनी चाहिए, न कि दिखावे व प्रशंसा पाने के लिए।

भाषा मंच

1. **वचन बदलिए :**

आँख	– आँखें	पट्टी	– पट्टियाँ	काँटा	– काँटें
खुशी	– खुशियाँ	चिड़िया	– चिड़ियाँ	टहनी	– टहनियाँ
साँस	– साँसें	विकृति	– विकृतियाँ	रानी	– रानियाँ

2. इनके विपरीतार्थक लिखिए :

सत्य	– असत्य	खोलना	– बाँधना	उत्तर	– प्रश्न
डर	– बेडर	ठीक	– गलत	पुण्य	– पाप
पास	– दूर	तेज़	– मंद	यश	– अपयश

3. रंगीन पदों के कारक बताइए :

(क)	राजा भोज सो गया है।	करण कारक
(ख)	राजा कथा सुन रहा है।	कर्म कारक
(ग)	सत्य आसमान से आया है।	अपादान कारक
(ग)	वह गाड़ी से आई है।	करणकारक
(घ)	राधा को पत्र लिखना है।	कर्मकारक

परख के मंच पर

प्रश्न 1. इस कहानी की भाषा-शैली का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : इस कहानी की भाषा-शैली अपने आपमें अत्यधिक रोचक तथा सरल है। लेखक ने साधारण बिंबों और उपमाओं के प्रयोग से भाषा में विशेष सौंदर्य प्रदान किया है। इसमें प्रयुक्त संवाद भी सरल तथा स्पष्ट भाषा में रचे गए हैं। अत: इस कहानी की भाषा शैली अनूठी है।

प्रश्न 2. राजा भोज का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर : राजा भोज दीनबंधु दीनानाथ की भक्ति केवल दिखावे तथा जन प्रशंसा पाने के लिए करते हैं। वे भक्ति के असली रूप से अपरिचित ही बने रहते हैं। किंतु सत्य द्वारा सच्ची भक्ति के रूप का वर्णन करने के बाद वह भक्ति की वास्तविकता को जान जाते हैं। इसके बाद वह भक्ति का सही तरीका अपनाते हैं। अत: राजा भोज साधारण मानव का ही चरित्र प्रस्तुत करते हैं।

प्रश्न 3. पाठ के आधार पर इन वाक्यों को पूरा करो :

(क) तूने जो कुछ किया, केवल

(ख) राजा के जी में घमंड की चिड़िया

(ग) यह तो बतला कि मंदिर की

(घ) मैं इस बात से नहीं डरता, क्योंकि

स्वयं करें

अपना विकास अपने हाथ

1. राजा भोज से संबंधित कोई अन्य कहानी लिखिए।

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

मृग-तृष्णा – भ्रम = मनुष्य को मृग-तृष्णा से दूर रहना चाहिए।

गोबर-गणेश – मूर्ख = बलराम तो पक्का गोबर-गणेश है।

दीनहितकारी – दुखियों का सहारा = ईश्वर ही दीनहितकारी है।

संध्या-वंदन – शाम की पूजा = राजा संध्या वंदन के बाद प्रजा से मिले।